



कांस्टेबल
मर्ती परीक्षा
में नकल
रोकने के कड़े
इंतजाम
-7



सरकार ने धान
का एमएसपी
72 रुपये बढ़ाया
सूरजमुखी बीज
में 622 रुपये
की वृद्धि - 10



कांग्रेस, वामदलों
अब्नाद्रमुक के
बागियों के समर्थन
से विजय ने जीता
विश्वास मत
- 11



पुर्तगाल के
स्टार फुटबॉलर
क्रिस्टियानो रोनाल्डो
के पास विश्व कप
विजेता बनने का
आखिरी मौका - 12

आज का मौसम

38.0°

अधिकतम तापमान

26.0°

व्यूनतम तापमान

सूर्योदय

05.22

सूर्यास्त

06.54

आमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ

बरेली

कानपुर

मुगदाबाद

अयोध्या

हल्द्वानी

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने बुधवार को 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। इस साल कुल 85 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। हालांकि, पिछले साल के मुकाबले इस बार उत्तीर्ण प्रतिशत में तीन फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने बताया



सीबीएसई 12व का रिजल्ट आने पर बरेली के एक स्कूल में खुशी से झूमे बच्चे।

कि छात्र अपना रिजल्ट सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट या डिजिटलॉकर पर देख सकते हैं। हर बार की तरह

इस बार भी लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। इस साल लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 88.86

रहा, जबकि लड़कों का सफलता प्रतिशत 82.13 रहा। वहीं, ट्रांसजेंडर श्रेणी के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम

85 % से ज्यादा रहे सफल

- 90% से अधिक अंक : 94,028 छात्र (कुल का 5.32%)
- 95% से अधिक अंक : 17,113 छात्र (कुल का 0.97%)
- कंपार्टमेंट श्रेणी: 1,63,800 छात्र (पिछले साल से 2% अधिक)

मानवी ने 99.6 प्रतिशत अंकों के साथ देश में पाया दूसरा स्थान

बरेली। सीबीएसई इंटरमीडिएट परीक्षा परिणामों में विक्टर इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा मानवी पटेल ने 99.6 % अंक प्राप्त कर देश में दूसरा स्थान हासिल किया है। मानवी की यह सफलता इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने बिना किसी कोचिंग के केवल स्वाध्याय के दम पर यह मुकाम पाया है। उन्होंने पेंटिंग, मनोविज्ञान और अंग्रेजी में शत-प्रतिशत, जबकि इतिहास व राजनीति शास्त्र में 99-99 अंक प्राप्त किए हैं। परंपरागत करियर विकल्पों से हटकर मानवी अब फैशन डिजाइनिंग के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाना चाहती हैं। मानवी के अनुसार, सफलता के लिए घंटों किताबों में डूबे रहने के बजाय स्पष्ट रणनीति और एकाग्रता जरूरी है।

ब्रीफ न्यूज

बुजुर्ग को लूटने में अशोक चक्र विजेता गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के सैनिक फार्म इलाके में 72-वर्षीय एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को कथित तौर पर 'हनी-ट्रेप' में फंसाने, उनका अपहरण करने और लूटपाट करने के आरोप में सेना के एक सेवारत जवान और अशोक चक्र विजेता सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने बुजुर्ग के साथ कथित तौर पर मारपीट की, उनके घर से नकदी, गहने और दस्तावेज लूट लिये और फिर उनकी ही कार में उनका अपहरण कर लिया। बाद में, उनसे 50 लाख रुपये की रंगदारी वसूलने की। पुलिस ने आरोपियों की पहचान हरियाणा के फतेहाबाद निवासी और अशोक चक्र विजेता सुरेंद्र (31), दिल्ली के कालाफाजी की निवासी कल्पना कुमारी (40) और फतेहाबाद निवासी कुलदीप एच सुशील के रूप में की है।

केरल के मुख्यमंत्री की घोषणा आज

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल ने केरल के मुख्यमंत्री के चयन को लेकर अंतिम दौर की मंजुरा की। पार्टी नेतृत्व इस फैसले की घोषणा गुरुवार को करेगा। खरगे के आवास '10 राजा जी मार्ग' पर दोनों नेतृओं के बीच आधे घंटे से अधिक समय तक चर्चा हुई। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस विधायक दल ने नेता चुनने के लिए केंद्रीय नेतृत्व को अधिकृत किया था।

विवादित बयान: सपा प्रवक्ता पर मुकदमा

नोएडा। ब्राह्मणों पर कथित विवादित बयान देने के आरोप में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी के खिलाफ नोएडा के थाना सैक्टर 24 में भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। सैक्टर-53 के मिग़ीड गंग के सुशील पंडित ने जातिगत टिप्पणी करने, लोक शांतिभंग करने और आईटी विक्ट के तहत सैक्टर-24 थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था। शिकायतकर्ता ने कहा कि राजकुमार भाटी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो पांच मई का बताया जा रहा है। राजकुमार भाटी ने पांच मई को दिल्ली के जवाहर भवन में एक पुरतक के लोकार्पण कार्यक्रम में थे भाषण दिया था।

आंधी-पानी के कहर से प्रदेश में 59 की मौत, बरेली मंडल में 11 की जान गई

संवाददाता, लखनऊ/बरेली

- बरेली में चार, शाहजहांपुर में दो बदायूं जिले में पांच लोग मरे
- फतेहपुर में नौ, प्रयागराज और भदोही में 16-16 लोगों की मौत



मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ग्राम हरामपुर निवासी संजय सक्सेना की बेटी देवकी बगिचे में थी। तेज आंधी से बचने के लिए वह आम के पेड़ के नीचे खड़ी हो गई। पेड़ टूट गया और दबकर देवकी की मौत हो गई। आंवला

क्षेत्र के ग्राम बेहटा जुनून में भी आंधी ने कहर बरपाया। टिन शेड गिरने से लिपि (61) मलबे में दब गई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। नंदगांव में घर की कच्ची दीवार गिरने से भैंसराम (55) की जान चली गई। बदायूं जिले में पांच लोगों की मौत हो गई। शाहजहांपुर में बिजली के खंभे गिरने से दो बाइक सवारों की मौत हो गई। संभल में दो, लखीमपुर खीरी में एक, कानपुर देहात में दो लोगों की जान गई। भदोही जिले में तेज आंधी और बारिश से 16 लोगों की मौत हो गई। फतेहपुर के अपर जिला मजिस्ट्रेट अविनाश त्रिपाठी ने बताया कि फतेहपुर में तूफान जनित घटनाओं में नौ लोगों की मौत हो हुई है। सोनभद्र में, माधव सिंह (38) की मौत हो गई।

बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी

आरएसएस के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि अलग-अलग धर्मों के व्यक्तियों के बीच होने वाले 'सच्चे प्रेम' पर कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता, लेकिन हिंदू लड़कियों को निशाना बनाकर की जाने वाली कोई भी सुनियोजित साजिश निश्चित रूप से चिंताजनक है। होसबाले ने एक साक्षात्कार में कहा कि स्वयंसेवकों के बीच ऐसे कई मामले हैं जिन्होंने सच्चे प्रेम के लिए जाति, धर्म और यहां तक कि राष्ट्रीयता की सीमाओं को पार करते हुए विवाह किया और संघ ने इसे हमेशा स्वाभाविक मानते हुए स्वीकार किया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नेता



ने बेबाक कहा कि हमने उन शादियों का स्वागत किया, उनमें जयन मनाया और उनमें शामिल हुए। लव जिहाद के सवाल पर होसबाले ने कहा कि लव जिहाद शब्द में हमारा कोई योगदान नहीं है। इस शब्द का प्रयोग सबसे पहले किसी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने किया था। उन्होंने कहा कि जब दो व्यक्ति प्रेम

आरएसएस के सर कार्यवाह होसबाले ने कहा कि प्यार एक तरफा नहीं हो सकता ... इसमें साजिश है

प्रेम पर सवाल नहीं... हिंदू लड़कियों को बहकाने की साजिश चिंताजनक

परिवार की सुरक्षा के लिए ज्यादा बच्चे जरूरी हिंदुओं के लिए अधिक बच्चे पैदा करने की आवश्यकता के बारे में होसबाले ने कहा कि यह परिवार की सुरक्षा और कई अन्य कारणों से महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यदि केवल एक ही बच्चा हो, एक ही बच्चे का नियम हो, तो यदि किसी उम्र में बच्चे को कुछ हो जाता है, तो बुढ़ापे में माता-पिता का क्या होगा? समुदाय और राष्ट्र के लिए भी अधिक बच्चे होना महत्वपूर्ण है। हम अर्थव्यवस्था बना रहे हैं, हम धन सृजित कर रहे हैं, हम हर चीज का विकास कर रहे हैं। लेकिन भविष्य में अगर देश बुजुर्गों का देश बन जाता है, तो समस्या पैदा होगी।

मैं होते हैं, तो धर्म, राष्ट्रीयता आदि का कोई महत्व नहीं होता। लेकिन जब यह एक एजेंडा बन जाता है और हिंदू लड़कियों को अगवा करने की सुनियोजित साजिश रची जाती है, तो इससे सवाल उठते हैं और टकराव पैदा होता है। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवकों के कई परिवार ऐसे हैं जहां लोगों ने अपनी

उन्होंने कहा कि कई लड़कियां वापस आई हैं और उन्होंने अपनी दुख भरी कहानियां सुनाई हैं। लगभग 20,000 मामले दर्ज किए गए हैं। ये सब चीजें यूं ही नहीं हो सकती हैं। होसबाले ने यह भी सवाल उठाया कि क्या प्यार सिर्फ एकतरफा होता है? क्या सभी मामले हिंदू लड़कियों और मुस्लिम लड़कों के ही हैं? तो इसका मतलब है कि इस प्यार का सिर्फ एक ही पहलू है। फिर यह प्यार नहीं है। इसमें कोई साजिश है। एक सवाल के जवाब में होसबाले ने कहा है कि मुसलमानों में राष्ट्रवादी नेता अब दुर्लभ ही देखने को मिलते हैं क्योंकि नेताओं को तभी समर्थन मिलता है जब उनमें अलगाववादी प्रवृत्तियां होती हैं।

मोदी के काफिले में वाहनों की संख्या घटी, बस से यात्रा करेंगे जनप्रतिनिधि

प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद कई मुख्यमंत्रियों ने भी वाहनों की संख्या में कमी की

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोलियम पदार्थों से चलने वाले वाहनों के इस्तेमाल में कमी लाने और मितव्ययिता उपाय अपनाने की अपील करने के कुछ दिन बाद अपने काफिले में शामिल वाहनों की संख्या काफी कम कर दी है। प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद भाजपा-शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी इसी तरह का कदम उठाया है।

प्रधानमंत्री की हालिया घरेलू यात्राओं के दौरान उनके काफिले में शामिल वाहनों की संख्या कम की गई है। एसपीजी के प्रोटोकॉल के अनुसार आवश्यक सुरक्षा प्रबंधों को बरकरार रखा गया है। हैदराबाद में रविवार को मितव्ययिता उपायों के संबंध में दिए गए प्रधानमंत्री के भाषण के तुरंत बाद गुजरात और असम में उनके काफिले में कारों की संख्या को कम कर दिया गया। प्रधानमंत्री ने, जहां भी संभव हो, अपने काफिले में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को शामिल करने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने भी अपना काफिला घटा दिया है।

प्रधानमंत्री की अपील के बाद उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी मंत्रियों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सरकारी वाहनों की संख्या में कमी लाने का निर्देश दिया है। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को बसों, ट्रेनों या अन्य पब्लिक ट्रांसपोर्ट को अपनाने को कहा गया है। महाराष्ट्र सरकार ने सभी मंत्रियों को निर्देश दिया है कि आधिकारिक यात्रा के लिए विमान का इस्तेमाल करने से पहले

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अनुमति ली जाए। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने घोषणा की कि वह गुजरात में हेलीकॉप्टर और विमानों से यात्रा करने के बजाय ट्रेन, राज्य परिवहन की बसों और सार्वजनिक परिवहन के संसाधनों से यात्रा करेंगे। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने प्रधानमंत्री की अपील के बाद अपनी प्रस्तावित अमेरिका यात्रा रद्द कर दी है। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने अपने काफिले के वाहनों की संख्या स्वयं कम करके आधी कर दी है और जरूरी होने पर ही आधिकारिक यात्रा करेंगे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि उन्होंने अपने काफिले का आकार कम कर दिया है।

यूपी में मंत्री-विधायक मेट्रो, बस, ई-रिक्शा और साइकिल अपनाएं : मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों को मितव्ययिता, ऊर्जा संरक्षण और संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग का संदेश देते हुए सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने के निर्देश दिए।

उन्होंने मंत्रियों से अपनी वाहन फ्लीट 50 प्रतिशत तक कम करने को भी कहा। योगी ने मंत्रिमंडल को आदर्श बनाने की नसीहत देते हुए विदेश दौरे पर छह माह तक रोक के साथ हाइब्रिड बैटकों, डिजिटल कार्यसंस्कृति और 'वर्क फ्रॉम होम' पर जोर दिया। जनप्रतिनिधियों से भी मेट्रो, बस, ई-रिक्शा, साइकिल व कारपूलिंग अपनाने की अपील की।

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद बुधवार को पहली बैठक में मुख्यमंत्री ने शासन-प्रशासन की कार्यशैली को



बुधवार को प्रधानमंत्री के काफिले में बस कुछ ही गाड़ियां नजर आईं।

सप्ताह में दो दिन हो वर्क फ्रॉम होम

मुख्यमंत्री ने सचिवालय और निदेशालय स्तर पर एयरकंडीशनर एवं लिफ्ट के आवश्यकता-आधारित उपयोग के निर्देश देते हुए एसी का तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रखने को कहा। उन्होंने सार्वजनिक परिवहन, रेल यात्रा और कारपूलिंग को बढ़ावा देने के साथ 50 से अधिक कर्मचारियों वाले संस्थानों में सप्ताह में कम से कम दो दिन 'वर्क फ्रॉम होम' व्यवस्था अपनाने पर भी बल दिया।

घरेलू स्थलों पर आयोजित हों शादी व अन्य समारोह मुख्यमंत्री ने कहा कि शादी-विवाह एवं अन्य समारोहों के लिए घरेलू स्थलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि अनावश्यक व्यय पर रोक और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिले। कहा कि मंत्रीगण उपहार स्वरूप उन्ही वस्तुओं का उपयोग करें, जिनका निर्माण प्रदेश में होता है।

अधिक अनुशासित, जवाबदेह और ऊर्जा-संवेदनशील बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। प्रधानमंत्री मोदी के पेट्रोल और डीजल की खपत को न्यूनतम रखने संबंधी आह्वान का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल को स्वयं

आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए। मंत्रीगण सप्ताह में एक निर्धारित दिन मेट्रो, बस, ई-रिक्शा, कारपूलिंग अथवा साइकिल जैसी सुविधाओं का उपयोग करें। उन्होंने शासन एवं प्रशासनिक कार्यों में बैठकें यथासंभव हाइब्रिड मोड में आयोजित करने को कहा।

आज से अमूल, मदर डेयरी का दूध दो रुपये लीटर महंगा

नई दिल्ली। देश की प्रमुख दूध और दुग्ध उत्पाद कंपनियों अमूल और मदर डेयरी ने बुधवार को दूध की कीमतें दो रुपये प्रति लीटर बढ़ा दीं। इससे महंगाई का दबाव और बढ़ गया है, जो पहले से ही युद्ध के कारण बढ़ा हुआ था और इससे घरो का बजट भी प्रभावित होगा। यह मूल्यवृद्धि 14 मई से लागू होगी। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ), जो अमूल ब्रांड के तहत दूध और दूध उत्पादों की बिक्री करता है, ने एक बयान में कहा कि उसने 'पूरे भारत में दूध के विभिन्न पैक के दाम में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। मदर डेयरी ने दूध की विभिन्न किस्मों की उपभोक्ता कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है। जीसीएमएमएफ ने अनुसार यह मूल्य वृद्धि दूध के परिचालन और उत्पादन की कुल लागत में हुई बढ़ोतरी के कारण की जा रही है।

मुलायम के छोटे बेटे प्रतीक यादव की मौत, खून के थक्के जमने से गई जान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और भाजपा नेता अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव (38) का बुधवार सुबह निधन हो गया। उन्हें सुबह गंभीर हालत में लखनऊ के सिविल अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह 'मैसिव पल्मोनरी थ्रोम्बोएम्बोलिज्म' यानी फेफड़ों में रक्त के थक्के जमने के कारण कार्डियो-रेस्पिरेटरी कोलैप्स बताई गई है। रिपोर्ट में शरीर पर कुल छह चोटों के निशान मिले हैं, जिनमें ज्यादातर चोटें छाती, दाहिने हाथ, कोहनी, कलाई के आसपास पाई गईं।

प्रतीक स्व. मुलायम सिंह और साधना गुप्ता के पुत्र थे। प्रतीक यादव की पत्नी भाजपा नेता व महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव दो दिन से असम दौरे पर थीं, सूचना मिलते ही वह दोपहर बाद फ्लाइट से लखनऊ पहुंची। पति का शव देख विलख पड़ी। इसके पहले सुबह प्रतीक के बड़े भाई सपा प्रमुख अखिलेश यादव पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और परिवार के साथ मौजूद रहे।

प्रतीक के शरीर पर चोट के छह निशान



उन्होंने कहा कि प्रतीक जीवन में बड़ा काम करना चाहते थे और उनका इस तरह अचानक चले जाना बेहद दुखद है। मुख्यमंत्री योगी शाम को प्रतीक यादव के आवास पर जाकर श्रद्धांजलि दी और परिवार को ढांडस बंधाया। पूर्व मंत्री शिवपाल यादव, सपा सांसद धर्मेन्द्र यादव, डिंपल यादव समेत परिवार के तमाम सदस्यों के अलावा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना समेत तमाम मंत्रियों ने पहुंचकर परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

बड़े भाई व सपा मुखिया अखिलेश समेत तमाम नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

● मुख्यमंत्री योगी ने घर जाकर दी दी श्रद्धांजलि
● असम से दोपहर बाद लौटी पत्नी व भाजपा नेता अपर्णा यादव

उन्होंने कहा कि कई लड़कियां वापस आई हैं और उन्होंने अपनी दुख भरी कहानियां सुनाई हैं। लगभग 20,000 मामले दर्ज किए गए हैं। ये सब चीजें यूं ही नहीं हो सकती हैं। होसबाले ने यह भी सवाल उठाया कि क्या प्यार सिर्फ एकतरफा होता है? क्या सभी मामले हिंदू लड़कियों और मुस्लिम लड़कों के ही हैं? तो इसका मतलब है कि इस प्यार का सिर्फ एक ही पहलू है। फिर यह प्यार नहीं है। इसमें कोई साजिश है। एक सवाल के जवाब में होसबाले ने कहा है कि मुसलमानों में राष्ट्रवादी नेता अब दुर्लभ ही देखने को मिलते हैं क्योंकि नेताओं को तभी समर्थन मिलता है जब उनमें अलगाववादी प्रवृत्तियां होती हैं।



BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY

Accreditations, Affiliations & Approvals



ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
University Grants
Commission of India



Medical Council of
India



Dental Council of
India



Pharmacy Council of
India



Indian Nursing
Council



Uttar Pradesh Nursing
& Midwives Council



Association of Indian
Universities



Where there is rural well being
there is University Prosperity



Uttar Pradesh State
Medical Faculty



NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION
COUNCIL (NAAC)

ADMISSION OPEN FOR FOLLOWING COURSES SESSION 2026-27 CUET(UG/PG)-2026 Score Accepted

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL

COURSE	Eligibility	Duration
01 MBBS (intake - 250) - Through NEET	(10+2 PCB)	4½+1 Year
02 MD/MS (intake - 166) - Through PG NEET	MBBS	3 Year
03 Diploma- Medical lab Technician (DMLT)	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
04 Diploma X-Ray Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
05 Diploma Radiology Technology	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
06 M.Sc. Medical Anatomy	MBBS, BDS,	3 Year
07 M.Sc. Medical Biochemistry	BAMS B.Sc.	3 Year
08 M.Sc. Medical Microbiology	Nursing, B.Sc. Optom,	3 Year
09 M.Sc. in Medical Pharmacology	B.Pharm,	3 Year
10 M.Sc. in Medical Physiology	BPT, B.Sc. MLT, B.sc(Bio sc.)	3 Year

INSTITUTE OF DENTAL SCIENCES

10 BDS (intake - 100) - Throught NEET	(10+2 PCB)	4+1 Year
11 MDS (intake - 38) Through MDS NEET	BDS	3 Year
12 Diploma in Dental Hygenist	10+2 (PCB)	2 Year
13 Diploma in Dental Mechanics	10+2 (PCB)	2 Year

BIU COLLEGE OF PHARMACY/ROHILKHAND COLLEGE OF PHARMACY/ KESHLATA COLLEGE OF PHARMACY

COURSE	Eligibility	Duration
14 D.Pharm/Diploma in Pharmacy	10+2(PCB/PCM)	2 Year
15 B.Pharm/Bachelor of Pharmacy	10+2(PCB/PCM)	4 Year
16 M.Pharm (Pharmaceutical Chem)	B.Pharm	2 Year
17 M.Pharm (Pharmaceutics)	B.Pharm	2 Year
18 M.Pharm (Pharmacology)	B.Pharm	2 Year
19 M.Pharm (Pharmacognosy)	B.Pharm	2 Year

FACULTY OF ALLIED & HEALTHCARE SCIENCES (PARAMEDICAL)

COURSE	Eligibility	Duration
20 Certification in Sanitation	10+2(PCB/PCM)	1 Year
21 Diploma in Medical Lab Technician (DMLT)	10+2(PCB/PCM)	4 Year
22 Diploma in X-Ray Technician	10+2(PCB/PCM)	2 Year
23 Diploma in Dialysis Technician	10+2(PCB/PCM)	2 Year
24 Diploma in Emergency & Trauma Care	10+2(PCB/PCM)	2 Year
25 Diploma in MRI Technician	10+2(PCB/PCM)	2 Year
26 Diploma in Radiotherapy Technology	10+2(PCB/PCM)	2 Year
27 Bachelor of Physiotherapy (BPT)	10+2(PCB)	5 Year
28 Bachelor Operation Theater Technician (BOTT)	10+2(PCB/PCM))	4 Year
29 Bachelor of Medical Radiology & Imaging Technology (BMRIT)	10+2(PCB)	4 Year
30 B.Sc. in Medical Laboratory Technician (BMLT/BMLS)	10+2(PCB)	4 Year
31 B.Sc. in Optometry (B. Optom)	10+2(PCB/PCM)	5 Year
32 M.Sc. in Clinical Embryology	UG (Relevant Discipline)	2 Year
33 Master of Physiotherapy (MPT)	UG (Relevant Discipline)	2 Year
34 Master in Medical Laboratory Sciences (MMLS)	UG (Relevant Discipline)	2 Year

ROHILKHAND SCHOOL OF NURING/ROHILKHAND COLLEGE OF NURSING

COURSE	Eligibility	Duration
35 B.Sc. Nursing	10+2 (PCB)	4 Year
36 Post Basic B.Sc. Nursing	GNM	2 Year

37 Nurse Practitioner in Critical Care (NPCC) (Post Graduate Residency Progam)	B.Sc. Nursing/Post Basic B.Sc. Nursing*	2 Year
38 M.Sc. Nursing in Medical Surgical Nursing	B.Sc. Nursing/ Post Basic B.Sc. Nursing*	2 Year
39 M.Sc. Nursing in Obsteric & Gynaecological Nursing		2 Year
40 M.Sc. Nursing in Child Health Nursing		2 Year
41 M.Sc. Nursing in Mental Health Nursing		2 Year
42 M.Sc. Nursing in Community Health Nursing		2 Year
43 GNM	10+2 with English	3 Year
44 ANM	10+2	2 Year

BIU COLLEGE OF MANAGEMENT/HUMANITIES & JOURNALISM

45 BBA	10+2 in any Stream	3 Year
46 BBA (H) Finance & Taxation	10+2 in any Stream	4 Year
47 BBA (H) Business Intelligence & Data Analytics	10+2 in any Stream	4 Year
48 B. Com (Honors)	10+2 in any Stream	4 Year
49 BCA	10+2 in any Stream	3 Year
50 BCA (H) Information Technology & Multimedia	10+2 in any Stream	4 Year
51 BCA (H) Artificial Intelligence & Data Science	10+2 in any Stream	4 Year
52 BCA (H) Artificial Intelligence & Machine Lear.	10+2 in any Stream	4 Year
53 BA (Journalism/Mass Communication)	10+2 in any Stream	4 Year
54 BJMC (H) Bachelor of Journalism & Mass Communication	10+2 in any Stream	4 Year
55 BMM (H) Bachelor of Mass Media	10+2 in any Stream	4 Year
56 MJMC Master of Journalism & Mass Comm.	UG Any Stream	2 Year
57 MHA (Master in Hospital Administration)	UG Any Stream	2 Year
58 MPH (Master in Public Health)	UG Any Stream	2 Year
59 MBA	UG Any Stream	2 Year
60 MCA	UG Any Stream	3 Year
61 M. Com	UG Any Stream	2 Year
62 MA (Political Science)	UG Any Stream	2 Year
63 MA (Journalism)	UG Any Stream	2 Year
64 MA (Mass Communication)	UG Any Stream	2 Year
65 MA (English)	UG Any Stream	2 Year
66 MA (Psychology)	UG Any Stream	2 Year
67 MA (Sociology)	UG Any Stream	2 Year

FACULTY OF FORENSIC SCIENCES

68 B.Sc. Forensic Sciences	10+2 (PCM/PCB)	3 Year
69 M.Sc Forensic Science	UG (Relevant Discipline)	2 Year

FACULTY OF FINE ARTS

70 Certificate in Photography	10 Pass	1 Year
71 Certificate in Cinematography	10 Pass	1 Year
72 Diploma in Cinematography (DIC)	10 Pass	2 Year
73 Diploma in Photography (DIP)	10 Pass	2 Year
74 Bachelor of Fine Arts (Film Making)	10+2 in any Stream	4 Year
75 Bachelor of Fine Arts (Photography)	10+2 in any Stream	4 Year
76 Master of Fine Arts (Photography)	UG Fine Arts	2 Year

Rohilkhand Ayurvedic Medical College and Hospital

77 BAMS (Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery) (intake - 60)	Through NEET (10+2 PCB)	4½+1 Year
--	----------------------------	-----------

Contact For More Information: 9105500202, 9105500404, Ph.: 0581-2526153

**Add.: Admission Cell, Administrative Block, Bareilly International University,
Rohilkhand Medical College Campus, Bareilly - 243006 (U.P.)**

Website : www.biu.edu.in, E-mail : admission@biu.edu.in

मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों

केवल असली होलोग्राम युक्त एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें

पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा

पुण्यश्लोक गोलोक्वासी

बाबू किशोर कन्द काफूर “किशोर” जी के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित

एम. के. बन्धानी हींग श्री के. एम. डिस्ट्रीब्यूटर

ईस बंधनार उज्ज्वी की पकड़

विश्वय केंद्र : नारायन राजा, 5/71 नयागंज कानपुर 208001, फोन - 9619456535, 9695416535

न्यूज बीफ

तीन फर्माँ से लिए धान बीज के नमूने

अमृत विचार, लखनऊ : कृषि विभाग ने धान की तैयारी को लेकर बुधवार को छापेमारी की। मोहनलालगंज में तीन प्रतिष्ठानों से एक-एक धान बीज का नमूना लिया। वहीं, उर्वरक दुकानों पर भी जांच की। जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने अपन जिला कृषि अधिकारी हर्षित त्रिपाठी के साथ मोहनलालगंज में तीन बीज फर्माँ पर छापेमारी की। धान के बीज चेक किए तो गड़बड़ी की आशंका जताई और तीन जगह से एक-एक नमूना भरा। इसके अलावा दो उर्वरक प्रतिष्ठानों पर छाप मारा। दुकान और गोदाम में रखा उर्वरक स्टैंड का मिलान किया। ई-पाँस मशीन से मिलान किया। किसानों से बात की। जिला कृषि अधिकारी ने बताया की उर्वरक में कमी नहीं मिली है। लेकिन, बीज में गड़गड़ी की आशंका होने पर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजेगे।

हायर पेंशन देने के हाईकोर्ट आदेश का स्वागत

अमृत विचार, लखनऊ : ईपीएस 95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति ने इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा ईपीएफओ के आदेश को निरस्त कर एचएएल पेंशनरों को हायर पेंशन का लाभ दिए जाने के फैसले का स्वागत किया है। समिति के राष्ट्रीय सचिव राजीव भटनागर ने कहा कि ईपीएफओ सुप्रीम कोर्ट के आदेश की मनमानी व्याख्या करते हुए लंबे समय से ट्रस्ट नियमों का हवाला देकर विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के संयुक्त विकल्प फॉर्म निरस्त कर रहा था। उन्होंने कहा कि एचएएल पेंशनरों की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट का यह फैसला ऐतिहासिक साबित हुआ है। संघर्ष करने वाले सभी पेंशनर बहाई के पात्र हैं। समिति ने आरोप लगाया कि पर्याप्त फंड होने के बावजूद ग्रामिक आंकड़ों से न्युनतम पेंशन वृद्धि में बाधा डाली जा रही।

25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : विकासनगर पुलिस ने बुधवार को 25 हजार के इनामी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी 17 लाख की धोखाधड़ी व कारागार के मामले में विकासनगर और गाजीपुर थाने से फरार था। पकड़े गए आरोपी पर राजधानी के कई थानों में 17 अपराधिक मामले दर्ज हैं।एसओ विकासनगर आलोक सिंह ने बताया कि सेक्टर-एच जानकीपुरम निवासी आरोपी रोहित सिंह को स्वर्गीय वीरेंद्र प्रताप सिंह स्मारक जनता पीजी कॉलेज कुंछ भरोपुर जिला सुल्तानपुर से गिरफ्तार किया गया। आरोपी रोहित पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

पल्मोनरी एम्बोलिज्म से पीड़ित थे प्रतीक यादव

सिविल अस्पताल के निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता ने किया ‘सस्पेक्टेड पॉइजनिंग’ की आशंका से इनकार , चोट के पुराने निशान मिले

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव (39) की बुधवार सुबह विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास पर संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से घर में साक्ष्य संकलित कर कमरा सील कर दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण ‘मैसिव पल्मोनरी थ्रोम्बोएम्बोलिज्म’ के कारण कार्डियोरैस्परेटरी कोलेप्स आया है। प्रतीक की मौत को लेकर ‘पॉइजनिंग’ की चर्चा भी शुरू हुई , लेकिन सिविल अस्पताल के निदेशक ने ‘पॉइजनिंग’ की आशंका से इनकार किया है। डॉक्टर ने ये भी खुलासा किया कि प्रतीक पल्मोनरी एम्बोलिज्म जैसी गंभीर बीमारी से भी पीड़ित थे। इस बीमारी में फेफड़ों की धमनियों में खून के थक्के जम जाते हैं, जिससे शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति प्रभावित होती है। हाल ही में इसी समस्या के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों के मुताबिक, फेफड़ों में जमे थक्कों के कारण उनके हृदय पर लगातार अतिरिक्त दबाव पड़ रहा था। इससे दिल की कार्यक्षमता कमजोर होती चली गई और स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई।

सिविल अस्पताल के निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता ने बयान जारी कर कहा कि, अस्पताल की ओर से किसी भी प्रकार की ‘सस्पेक्टेड पॉइजनिंग’ (संदिग्ध जहरखुरानी) की आशंका व्यक्त नहीं की गई है। डॉ. गुप्ता के अनुसार, प्रतीक के निधन की पुष्टि के बाद उनके साथ आए लोग शव एम्बुलेंस से घर ले जाने की तैयारी कर रहे थे। शव को एम्बुलेंस में रखे जाने के बाद परिजनों और रिश्तेदारों ने पोस्टमार्टम कराने की इच्छा व्यक्त की। इस पर तत्काल उच्च अधिकारियों को सूचना दी गई। इसके पश्चात पंचनामा कराकर शव का पोस्टमार्टम के लिए केजीएमयू भेजा गया। डॉ. गुप्ता ने स्पष्ट किया कि अस्पताल ने केवल निर्धारित चिकित्सीय एवं कानूनी प्रक्रिया का पालन किया है।



विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास पर भाई प्रतीक यादव को श्रद्धांजलि अर्पित करते सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव।

अमृत विचार

दो महीने पहले हुई थी प्रतीक से मुलाकात : अखिलेश

प्रतीक यादव सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के छोटे भाई हैं। प्रतीक के निधन की सूचना मिलने पर अखिलेश यादव सुबह पहले सिविल अस्पताल फिर केजीएमयू के पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। उन्होंने पोस्टमार्टम हाउस पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि परिवार जो निर्णय करेगा, उसी के अनुरूप कानून का ध्यान में रखते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी। अखिलेश ने यह भी कहा कि करीब दो महीने पहले उनकी प्रतीक से मुलाकात हुई थी और उन्होंने उन्हें स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी थी। कारोबारी नुकसान की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि आर्थिक और व्यवसायिक दबाव कई बार लोगों को गहरे तनाव में डाल देते हैं। सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा का दावा है कि उनकी डॉक्टरों से बात हुई। उन्होंने डॉक्टरों से पूछा कि प्रतीक का पोस्टमार्टम क्यों कराया जा रहा है? डॉक्टरों ने कहा कि प्रतीक की मौत स्वभाविक नहीं है। अस्पताल लाते समय उनकी मौत हो गई थी। उनका कहना है कि प्रतीक की संदिग्ध हालत में मौत हुई है। इसलिए इस मामले में जांच उच्च न्यायालय के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश से कराई जानी चाहिए।



प्रतीक यादव के निधन की सूचना पर विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास पहुंचे चाचा शिवपाल सिंह यादव, भाभी डिंपल यादव और परिवार के अन्य सदस्य।



अमृत विचार

सुबह 4:30 बजे बिगड़ी तबीयत, 5:55 पर मृत घोषित

साले चंद्रशेखर को सूचना देकर सिविल अस्पताल से डॉक्टर को घर लेकर गया था प्रतीक का ड्राइवर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: प्रतीक यादव पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे थे। प्रतीक की पत्नी अपर्णा यादव उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं। गुलिस्ता कॉलोनी निवासी अपर्णा के भाई चंद्रशेखर सिंह बिष्ट ने बताया कि बुधवार तड़के करीब 4:30 बजे प्रतीक की तबीयत बिगड़ी। वह पानी पीने के लिए किचन में गए और वहीं पर गिर पड़े। चालक ने चंद्रशेखर को फोन करने के बाद सिविल अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचकर जानकारी दी। चालक इमरजेंसी से डॉक्टर को लेकर घर पहुंचा। डॉक्टर ने प्रतीक की जांच की। हालत सही न होने पर



विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास पर शव लेकर जाती एंबुलेंस, बाहर लगी भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तेद पुलिसकर्मी।

अमृत विचार

एंबुलेंस से उन्हें श्यामा प्रसाद मुखर्जी अस्पताल (सिविल) ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया। इसीजी समेत दूसरी जांच की। डॉक्टरों ने 5:55 बजे प्रतीक

को मृत घोषित कर दिया। मामला हाई प्रोफाइल होने के कारण डॉक्टरों ने शासन स्तर पर और पुलिस को सूचना दी। प्रतीक की मौत के डेथ मेमो की सूचना मिलते ही एसपी

हजरतगंज विकास जायसवाल, इस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह, एसओ गौतमपल्ली विपिन सिंह सिविल अस्पताल पहुंच गए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

असम में थीं अपर्णा

घटना के समय प्रतीक की पत्नी अपर्णा घर पर नहीं थी। वह कुछ दिनों से असम में थी। पति की मौत की सूचना मिलते ही वह लखनऊ के लिए रवाना हुईं। दोपहर करीब दो बजे अपर्णा घर पहुंची। इसके बाद पोस्टमार्टम हाउस से प्रतीक का शव साले परिजन के सुपुर्द किया गया। उसके बाद परिजन शव लेकर विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास पर पहुंचे।

डॉक्टरों के मुताबिक फेफड़ों की धमनियों में बड़ा रक्त का थक्का जमने से यह स्थिति पैदा होती है। जिससे दिल और फेफड़े अचानक काम करना बंद कर देते हैं।



अपर्णा यादव को दांडस बंधाते भाजपा प्रदेश, संगठन महामंत्री और अन्य।

भाजपा ने स्थगित किया प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को जिला स्तर पर महिला कार्यकर्ताओं द्वारा प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन स्थगित कर दिया। पार्टी ने यह निर्णय भाजपा नेता एवं उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव के असामयिक निधन के बाद लिया। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और भाजपा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं पद्म विभूषण स्व. मुलायम सिंह यादव के पुत्र प्रतीक यादव के निधन पर उनके आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। दोनों नेताओं ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने शीवरणों में स्थान दें तथा परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने भी शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह परिवार के लिए बड़ा आघात है और ईश्वर शोकाकुल परिवार को संबल प्रदान करें।

प्रतीक ने बिल्डर पर दर्ज कराई थी धोखाधड़ी और रंगदारी की रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: पूर्व सीएम के भाई प्रतीक यादव ने 13 जुलाई 2025 को गौतमपल्ली थाने में धोखाधड़ी और चार करोड़ की रंगदारी मांगने की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। प्रतीक ने अपनी रिपोर्ट में रियल एस्टेट कंपनी मोनल इंफ्रा के निदेशक कृष्णानंद पांडेय, उनकी पत्नी वंदना पांडेय और अशोक पांडेय के पर आरोप लगाया था। आरोप था कि रंगदारी न देने पर कृष्णानंद ने मेल व व्हाट्सएप पर उन्हें पॉक्सो एक्ट के फर्जी मामले में फंसाने की धमकी भी दी थी। यही नहीं आरोपियों ने उन्हें बदनाम करने के लिए एडिट कर बनायी गयी ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल की थी। प्रतीक ने बताया था कि आरोपी कृष्णानंद पांडेय चिनहट के चक

● पॉक्सो एक्ट में फंसाने की दी थी धमकी, वायरल की थी फर्जी ऑडियो

मल्हौरी पूर्वांचल सिटी का रहने वाला है। वर्ष 2011-12 में मुलाकात हुई थी। कृष्णानंद ने दोस्ती की। उसके बाद मुनाफे का लालच देकर शहीद पथ किनारे भूमि खरीदने के लिए राजी किया था। हामी होने पर आरोपी ने रियल एस्टेट कंपनी मोनल इंफ्रा बनाई। प्रतीक का कहना था कि कृष्णानंद ने उन्हें प्रमोटर बना कर निवेश करने को कहा था। इसके अलावा वह अन्य कार्य के लिए खुद निदेशक बन गया। सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहने के कारण प्रतीक कंपनी में अधिक समय नहीं दे सके। कृष्णानंद के कहने पर काफी निवेश किया। इसके साथ ही आरोपी ने अन्य मदों के नाम पर

कई गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे प्रतीक

अमृत विचार, लखनऊ : प्रतीक यादव के निधन की खबर ने राजनीतिक और सामाजिक जगत को स्तब्ध कर दिया है। बाहर से बेहद फिट, आकर्षक व्यक्तित्व और बॉडी बिल्डर जैसी छवि रखने वाले प्रतीक यादव अंदर ही अंदर कई गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे। उनके स्वास्थ्य को लेकर अब मेदांता अस्पताल की वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. रुचिता शर्मा ने कई महत्वपूर्ण खुलासे किए हैं। डॉ. रुचिता के अनुसार, प्रतीक यादव लंबे समय से उनके उपचाराधीन थे। उन्होंने बताया कि प्रतीक को हाई ब्लड प्रेशर, हाइपरटेंशन और डायबिटीज जैसी गंभीर लाइफस्टाइल बीमारियां थीं। ये बीमारियां शरीर को भीतर ही भीतर कमजोर करती हैं और अवसर समय रहते इनके लक्षण स्पष्ट नहीं दिखाई देते। फिटनेस के प्रति सजग रहने के बावजूद ये बीमारियां उनके शरीर में गहराई तक असर डाल चुकी थीं। प्रतीक मेदांता में आखिरी बार 29 अप्रैल को इलाज के लिए गए थे।

पांच माह में छह बार हुए अस्पताल में भर्ती

30 अप्रैल को प्रतीक को सांस लेने व दिल से जुड़ी बीमारी से दिक्कत हुई। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें मेदांता अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया। यहां डॉक्टरों की टीम ने उनका इलाज किया। तबीयत में कुछ सुधार होने पर वह बिना छुट्टी के अस्पताल से घर चले आए। मेदांता अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि प्रतीक यादव को पिछले छह माह में करीब 5 बार भर्ती किया जा चुका है। आखिरी बार एक दिन भर्ती के बाद वह बिना किसी को सूचना दिए अस्पताल से चले गए थे। डॉ. रुचिता शर्मा ने बताया कि प्रतीक यादव को अवसर सांस फूलने की समस्या रहती थी। फेफड़ों और हृदय की बीमारी एक-दूसरे से जुड़ी होने के कारण उनकी हालत लगातार नाजुक बनी हुई थी। प्रतीक यादव नियमित रूप से ब्लड थिनर और अन्य दवाइयां ले रहे थे, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका।

यादें

गम में डूबे पैतृक गांव के लोग, आवास पर पसरा सन्नाटा

आखिरी बार आर्यन की शादी में सैफई गए थे प्रतीक

संवाददाता, सैफई/इटवा

अमृत विचार: मुलायम सिंह यादव के पुत्र प्रतीक यादव के निधन से सैफई में गम पसर गया। सैफई स्थित अखिलेश यादव के आवास पर दिन भर सन्नाटा पसरा रहा। सुबह ही परिवार के ज्यादातर सदस्य, करीबी रिश्तेदार, समर्थक और गांव के लोग अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए लखनऊ रवाना हो गए। ग्रामीणों के अनुसार प्रतीक यादव का गांव और परिवार से आत्मीय जुड़ाव रहा। वह समय-समय पर सैफई आते रहते थे और परिवार के कार्यक्रमों में शामिल होते थे। विवाह, तिलक और सामाजिक आयोजनों में उनकी मौजूदगी अक्सर देखने को मिलती थी। गांव आने पर वह परिवार के लोगों और परिचितों से सहजता के साथ मिलते थे। प्रतीक यादव आखिरी बार

नवंबर 2025 में सैफई आए थे। वह मुलायम सिंह यादव के छोटे भाई राजपाल यादव के पुत्र आर्यन यादव के विवाह समारोह में शामिल हुए थे। उस दौरान उनके साथ पत्नी अपर्णा यादव और दोनों बेटियां भी मौजूद थीं। शादी समारोह में उन्होंने परिवार के लोगों के साथ काफी समय बिताया था। कार्यक्रम स्थल पर सपा मुखिया अखिलेश यादव से आशीर्वाद लेते उनकी तस्वीरें और वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। परिवार से जुड़े लोगों का कहना है कि साधना गुप्ता का निधन भी लखनऊ में हुआ था और उनका अंतिम संस्कार भी वहीं किया गया था। प्रतीक यादव का अंतिम संस्कार भी लखनऊ में ही होगा।

प्रतीक के निधन पर जिला पंचायत अध्यक्ष अंशु यादव, सांसद जितेंद्र दोहरे, भरथना विधायक राघवेंद्र गौतम, सपा



आर्यन की शादी में अखिलेश यादव के साथ प्रतीक, अपर्णा और अन्य। (फाइल फोटो)

निधन पर भावुक हुए ग्राम प्रधान रामफल

सैफई परिवार से जुड़े प्रतीक यादव के निधन की खबर के बाद सैफई में अखिलेश यादव के आवास के बाहर ग्राम प्रधान रामफल बाल्मीकि मीडिया से बात करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि प्रतीक यादव का स्वभाव बेहद सरल और मिलनसार था और उनका सैफई परिवार से गहरा जुड़ाव रहा है। उन्होंने प्रतीक यादव से जुड़ी पुरानी यादें साझा कीं और बात करते-करते उनकी आंखें भर आईं। उन्होंने कहा कि यह खबर सिर्फ परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे सैफई के लिए बड़ी क्षति है। बाजारों, चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर भी लोगों के बीच यही चर्चा बनी रही। स्थानीय लोगों का कहना है कि नेताजी परिवार से जुड़े किसी भी बड़े घटनाक्रम का सीधा असर सैफई में दिखाई देता है।

जिलाध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू, राजीव यादव, सर्वेश शाक्य, जाटव, रामनाथ यादव आदि ने वीरू भदौरिया, गोपाल यादव, फुरकान अहमद, लखन सिंह श्रद्धांजलि अर्पित की।



न्यूज़ ब्रीफ

हर्ष फायरिंग में दो घायल, दूल्हे के मौसा की रायफल जब्त

अमृत विचार, हरदोई: हरदोई के सुरक्षा क्षेत्र में शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग से दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर लाइसेंसी रायफल जब्त कर ली है। मंगलवार को उम्मरपुर मजरा खजुरहरा निवासी लालाराम की पुत्री की बारात शाहाबाद के गहोरा गांव से आई थी। निजी स्कूल में शादी समारोह के दौरान बाराती डोंस कर रहे थे। इसी बीच दूल्हे रोहित के मौसा चन्द्रपाल ने लाइसेंसी रायफल से फायरिंग कर दी। गोली लगने से रेशमा और ब्रजेश राठौर घायल हो गए। घटना के बाद शादी समारोह में अफरा-तफरी मच गई। मौजूद लोगों ने आरोपी को पकड़कर एक कमरे में बंद कर दिया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची उत्तर प्रदेश पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर रायफल जब्त कर ली। दोनों घायलों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

इंजीनियर के मकान में लगी आग, लाखों का सामान जला

अमृत विचार, लखनऊ: गुडंबा के कुर्सी रोड स्थित अर्जुन एंक्लेव में बुधवार देर रात तीन मंजिला मकान की दूसरी मंजिल में आग लग गई। पड़ोसियों ने शोर मचाना शुरू किया तो अंदर मौजूद इंजीनियर की पत्नी और बच्चे बाहर भागे। इसके बाद सूचना दमकल को दी गई। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने दो गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पा लिया। अर्जुन एंक्लेव निवासी ऋषभ त्रिपाठी कंसल्टेंट इंजीनियर हैं। उनकी पत्नी श्वेता त्रिपाठी समाजसेविका हैं। बुधवार देर रात वह अपने दो बच्चों के साथ तीन मंजिला मकान की पहली मंजिल पर थीं। इस बीच दूसरी मंजिल से अचानक धुआं और लपट निकलने लगी। यह देख पड़ोसियों के आवाज देने पर श्वेता बच्चों समेत भाग कर नीचे उतरी। इसके बाद सूचना दमकल को दी। जानकारी मिलते ही इंदिरा नगर एफएसओ केके सिंह दो दमकल गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे।। हौज पाइप की मदद से टीम ने आग पर काबू पा लिया। शार्ट सर्किट से आग की आशंका है।

आंधी में गिरी दीवार छात्रा की दबकर मौत

अमृत विचार, हरदोई: हरदोई के बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र में तेज आंधी के दौरान दीवार गिरने से एक छात्रा की मौत हो गई। रूपापुर मजरा जशतपुर गांव निवासी नरेश की 11 वर्षीय पुत्री देवकी कक्षा छह की छात्रा थी। बुधवार दोपहर वह घर के बाहर बने शौचालय में गई थी। इसी दौरान तेज आंधी चलने लगी और शौचालय के पास की दीवार अचानक भरभराकर गिर पड़ी। दीवार का तलवा बंदी पर गिर गया, जिससे वह नीचे दब गई। घटना की आवाज सुनकर परिवार और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने मलान हटाकर छात्रा को बाहर निकाला और तुरंत मेडिकल कॉलेज ले गए। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

आकाशीय बिजली गिरने से किशोरी की मौत

अमृत विचार, हरदोई: हरदोई के बेनीगंज क्षेत्र में आंधी के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से सातवीं की छात्रा की मौत हो गई। कछीना कोतवाली क्षेत्र के आंट-सांट गांव निवासी छोटेलाला मीयां की 14 वर्षीय पुत्री अंकिता बुधवार दोपहर आंधी के बीच अपनी चाची और चचेरी बहन के साथ घर के बाहर रखे उपले उठा रही थी। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिर गई, जिसकी चपेट में अंकिता आ गई। गंभीर रूप से झुलसने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

समान विचारधारा वाले संगठनों को कांग्रेस से जोड़ेंगे: दीक्षित

अमृत विचार, लखनऊ: पूर्व सांसद और कांग्रेस के रचनात्मक कांग्रेस विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन संदीप दीक्षित ने कहा कि यह विभाग कांग्रेस की विचारधारा से सहमत सामाजिक संगठनों, समुदायों, आंदोलनों और बुद्धिजीवियों को पार्टी से जोड़ने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में यह विभाग कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को मजबूत करने में प्रभावी भूमिका निभाएगा। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बुधवार को आयोजित प्रेसवार्ता में पूर्व सांसद ने कहा कि पिछले दो दिनों में उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों के बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं और स्थितिव सोसाइटी के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनके मुद्दाव लिये। इस मौके पर संजय दीक्षित, मनीष हिंदवी, अशू अवस्थी, अलीमुल्लाह खान और प्रियंका गुप्ता भी मौजूद रहीं।

मंडी की 25 फर्माँ के लाइसेंस होंगे निलंबित

मलिहाबाद का लाइसेंस लेकर दुबग्गा में करते कारोबार, अवैध आम मंडी पर दी चेतावनी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : उप मंडी स्थल मलिहाबाद का लाइसेंस लेकर दुबग्गा मंडी में कारोबार करने वाली 25 फर्माँ के लाइसेंस निलंबित किए जाएंगे। इनके द्वारा आम के सीजन में भी मंडी की बजाय सड़क पर अवैध आदतें लगाकर कारोबार किया जाता है। मंडी समिति ने लाइसेंस निलंबन के लिए फर्माँ की सूची उच्च अधिकारियों को संस्तुति के लिए भेज दी है।

आदतियों ने मलिहाबाद मंडी के अंदर फल-सब्जी का कारोबार करने के लिए लाइसेंस और दुकानें आवंटित कराईं, लेकिन, 25 आदती



मलिहाबाद मंडी में आदतियों के साथ बैठक करते एसडीएम अंकित कुमार और मंडी सचिव सुभाष सिंह।

अमृत विचार

दुबग्गा मंडी में कारोबार करते पकड़े गए। लाइसेंस के नियमों का उल्लंघन करने के साथ करोड़ों रुपये मंडी शुल्क का नुकसान हुआ। मंडी समिति के जारी नोटिस का जवाब भी नहीं दिया। अब इनके लाइसेंस निलंबित किए जाएंगे।

आम का कारोबार भी मलिहाबाद मंडी की बजाय हाईवे पर अवैध मंडी लगाकर करते हैं। इससे जाम लगता है और हादसे होते हैं। पिछले वर्ष अवैध आम मंडी हटाने के लिए प्रशासन और मंडी समिति ने तमाम प्रयास किए थे, लेकिन दबाव

में अवैध मंडी नहीं हट सकी। इस बार हाईवे पर आम की मंडी न लगे, इसके लिए बुधवार को मलिहाबाद मंडी में एसडीएम अंकित कुमार और मंडी सचिव सुभाष सिंह ने आदतियों के साथ बैठक कर कार्रवाई की चेतावनी दी है।

चुनाव से पहले सड़कों का

जाल बिछाने की तैयारी

पीडब्ल्यूडी ने जिलों से 25 मई तक मांगे प्रस्ताव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विधानसभा चुनाव 2027 से पहले प्रदेश में सड़क और पुल निर्माण की रफ्तार तेज करने की तैयारी शुरू हो गई है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने प्रदेशभर में नई सड़कें, पुल और पुलियों के निर्माण के लिए जिलों से 25 मई तक प्रस्ताव मांगे हैं। सरकार का लक्ष्य अगस्त तक नई परियोजनाओं को धरातल पर उतारने का है।

चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में लोक निर्माण विभाग को निर्माण कार्यों के लिए 35,156 करोड़ रुपये का बजट मिला है। इसमें से करीब 11,718 करोड़ रुपये नये निर्माण कार्यों पर खर्च किए जाएंगे। विभागीय स्तर पर लगभग 36 हजार करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं को स्वीकृति देने की तैयारी की जा रही है।

पीडब्ल्यूडी विभागाध्यक्ष एके द्विवेदी के अनुसार, अब तक 47 जिलों के जिलाधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों से मिले प्रस्तावों को शामिल करते हुए कार्ययोजना भेज

- **36 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं उतरेंगी धरातल पर**
- **जनप्रतिनिधियों के सुझावों के आधार पर तय होंगी नई सड़कें और पुलियां**



दी है। बाकी जिलों को 25 मई तक हर हाल में प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए हैं। सभी जिलों की योजनाएं मिलने के बाद प्राथमिकता के आधार पर परियोजनाओं का चयन किया जाएगा।

सरकार की रणनीति केवल नई परियोजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं है, बल्कि चुनाव से पहले जमीन पर काम दिखाई देने पर भी फोकस है। इसी वजह से अगस्त तक अधिकतम परियोजनाओं का निर्माण शुरू कराने का लक्ष्य रखा गया है। विभाग ने चालू परियोजनाओं को गति देने के लिए

बारिश-बिजली से नुकसान पर 24 घंटे में राहत के निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ:

योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में वैमौसम बारिश, आंधी और आकाशीय बिजली गिरने से हुई जनहानि, पशुहानि और आर्थिक नुकसान का संज्ञान लेते हुए पीड़ितों को 24 घंटे के भीतर राहत और मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए सभी जिलाधिकारियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके



पर पहुंचकर पीड़ितों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राहत कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही राजस्व विभाग, कृषि विभाग और बीमा कंपनियों से नुकसान का सर्वे करारक शासन को रिपोर्ट भेजने को कहा है।

तथ्य छिपाने पर लगा एक लाख का हर्जाना

विधि संवाददाता, लखनऊ: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में तथ्यों को छिपाकर याचिका दाखिल करना एक वादकारी को भारी पद गया। कोर्ट ने याची पर एक लाख रुपये का हर्जाना लगाया है। यह आदेश न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की एकल पीठ ने चंद्रमा देवी अग्रहरी की याचिका को खारिज करते हुए पारित किया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि याची ने एक आपराधिक परिवाद मामले में एसीजेएम, सुल्तानपुर द्वारा जारी तलबी आदेश को चुनौती दी है। जबकि उसी आदेश के विरुद्ध उसने सुल्तानपुर के ही सत्र न्यायालय के समक्ष पुनरीक्षण प्रार्थना पत्र भी दाखिल कर रखा है। इस तथ्य का खुलासा याची द्वारा अपने वाद पत्र में नहीं किया गया है। कोर्ट ने इसे गंभीरता से लेते हुए एक लाख रुपये का हर्जाना लगाया, जिसमें से तीस हजार रुपये मामले के परिवादी को दिए जाएंगे। जबकि 70 हजार रुपये राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को देय होंगे।

कार्यक्रम

लोहिया संस्थान में वार्षिक सीएमई एवं एलुमनाई मीट आयोजित

चिकित्सा शिक्षा व शोध में एआई की भूमिका अहम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के फिजियोलॉजी विभाग की ओर से बुधवार को वार्षिक ‘सीएमई एवं एलुमनाई मीट’ का आयोजन किया गया। एएसएसओपीआई यूपी चैप्टर के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य विषय ‘‘समकालीन चिकित्सा अनुसंधान और शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का एकरूपण’’ रहा।

संस्थान के एकेडमिक ब्लॉक स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित



डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद विशेषज्ञ।

यह कार्यक्रम हाइब्रिड मोड में संपन्न हुआ। वैज्ञानिक सत्र की शुरुआत आयोजन अध्यक्ष प्रो. सुनीता तिवारी के परिचय भाषण से हुई। विशेषज्ञ वक्ता प्रो.आरके.गर्ग ने ‘‘एआई का महत्व, इसके फायदे और नुकसान’’

विषय पर व्याख्यान दिया प्रो. संदीप भट्टाचार्य ने ‘‘अपनी पढ़ाई का तरीका बदलें’’ विषय पर छात्रों और शोधकर्ताओं को आधुनिक डिजिटल शिक्षण पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रो. रजनी

बाला, प्रो. प्रद्युम्न सिंह, प्रो. विक्रम सिंह, प्रो. अरविंद सिंह, प्रो. सुब्रत चंद्र, डॉ. प्रमिता दुवे, डॉ. शिवम वर्मा, डॉ. विभा गंगवार, डॉ. मनीष वर्मा, डॉ. अरविंद पाल एवं डॉ. विदुषी सिंह ने भी जानकारी साझा की।

बाइक सवार बदमाशों ने महिला को धक्का देकर नोची बालियां पीजीआई इलाके में मंगलवार रात की घटना ,रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: पीजीआई इलाके में मंगलवार रात बाइक सवार लुटेरों ने पैदल घर जा रही अधेड़ महिला की कान की बालियां नोच लीं। विरोध करने बदमाशों ने महिला को धक्का दे दिया। जिससे वह सड़क पर जा गिरकर घायल हो गई। चीख-पुकार सुनकर राहगीर दौड़े, उससे पहले ही बदमाश फरार हो भागे भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मेडिकल कराने के बाद लूट की रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस



घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है।

रथीन्द्र नगर निवासी पूनम मंगलवार रात पैदल घर लौट रही थीं। तभी पीछे से एक बाइक पर आए दो युवकों ने उनके दोनों कानों से बालियां खींच लीं। विरोध करने पर बदमाश ने उन्हें धक्का दे दिया।

जिससे वह सड़क पर गिर पड़ीं। आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे। राहगीरों ने बदमाशों का पीछा किया, लेकिन वे भागने में सफल रहे। आसपास के लोगों ने डॉक्टर 112 पर लूट की जानकारी दी। सूचना पर पीजीआई थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजन को बुलाकर महिला को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। इस्पेक्टर पीजीआई धीरेंद्र सिंह ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

दहेज के लिए पीटा, बेटी होने पर दिया तीन तलाक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: दहेज में बाइक व एक लाख रुपये न मिलने पर विवाहिता को

प्रताड़ित किया गया। गर्भवती हालत में पीटा गया। बेटी पैदा होने पर प्रताड़ना बढ़ गई। विरोध पर कमरे में बंद कर पिटाई की गई। सूचना पर मायकेवाले पहुंचे और बेटी व नातिन को ले गए। आरोप है कि संपर्क करने पर पति ने फोन पर धमकाते हुए तीन तलाक दे दिया। मलिहाबाद पुलिस ने पति समेत सात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। रहमतनगर स्थित मोहम्मदनगर

● मां-बेटी की हत्या की दी धमकी पति समेत सात पर मलिहाबाद कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज

निवासी 21 वर्षीय आबिदा का निकाह मुस्लिम रीति रिवाज से 29 अप्रैल 2024 को मोहम्मद अरमान उर्फ मुस्कौन से हुआ था। ससुराल पहुंचने पर कुछ दिन तक सबकुछ सही रहा। उसके बाद सास रुबिया, ननद शबाना, सितारा, शन्नो, कम्मो व ननदोई शकील ने प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। दहेज के लिए ताने दिए गए। पीड़िता ने बताया कि ससुरालवाले अपशब्द बोलते थे, लेकिन वह परिवार बचाने के लिए

सबकुछ सहन करती रही।

आरोप है कि एक लाख रुपये व बाइक लाने का दबाव बनाया गया। असमर्थता जताने पर प्रताड़ित किया गया। जनवरी 2025 में दहेज को लेकर गर्भवती हालत में उसे बेरहमी से पीटा गया। जानकारी पर पिता मोहम्मद जकी अस्पताल पहुंचे तो आबिदा बेहोश पड़ी मिली। पिता ने माल थाने में सूचना दी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। मायकेवालों ने घर ले जाकर आबिदा का इलाज कराया। रिश्तेदारों और सभ्रांत लोगों के समझाने पर पीड़िता ससुराल पहुंची। पीड़िता ने बेटी को जन्म दिया। उसके बाद से दहेजलोभियों की प्रताड़ना बढ़

गई। आरोप है कि सभी ने मां-बेटी को मार डालने की धमकी दी। यही नहीं आबिदा को कमरे में बंद कर पीटा गया। पीड़िता ने मायकेवालों व डॉयल-112 पर सूचना दी। परिजन के आने पर पीड़िता मुक्त हुई और परिवार संग मायके चली गयी। पीड़िता ने पति मोहम्मद अरमान को कॉल की तो उसने गाली-गलौज कर धमकाया। तीन बार तलाक देकर फोन काट दिया। मलिहाबाद पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर पति अरमान समेत सात के खिलाफ दहेज प्रताड़ना, मारपीट, गाली-गलौज, धमकी व मुस्लिम महिला एक्ट की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

लीड्स रैंकिंग में यूपी को ‘एग्जेम्प्लर’ अवार्ड



अवार्ड प्राप्त करते अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शशांक चौधरी।

अमृत विचार, लखनऊ: उत्तर प्रदेश ने लॉजिस्टिक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए लॉजिस्टिक्स ईज अक्रॉस डिफरेंट स्टेट्स (लीड्स) 2025 रैंकिंग में ‘लैंडलॉकड राज्यों’ में सर्वोच्च ‘एग्जेम्प्लर’ अवार्ड प्राप्त किया है।

पिछले तीन वर्षों तक ‘अचीवर’ श्रेणी में रहने के बाद इस बार प्रदेश शीर्ष स्थान पर पहुंचा है। यह सम्मान पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदान किया। प्रदेश की ओर से इन्वेस्ट यूपी के अपर मुख्य

कार्यपालक अधिकारी शशांक चौधरी ने पुरस्कार ग्रहण किया।

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य ने बेहतर कनेक्टिविटी नेटवर्क और नीतिगत सुधारों के

जरिए यह उपलब्धि हासिल की है। डीपीआईटी की लीड्स पहल के तहत लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर, सेवाएं और परिचालन दक्षता का मूल्यांकन किया जाता है।

81 महिला संविदा परिचालकों को मिला नियुक्ति पत्र

अमृत विचार, लखनऊ: उ.प्र. राज्य सड़क परिवहन निगम के मुख्यालय के निर्देशों के क्रम में क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय क्षेत्र में महिला संविदा परिचालक भर्ती के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया गया था। इस दौरान कुल 178 महिला अभ्यर्थियों ने ऑफलाइन आवेदन किया, जिनमें से 81 अभ्यर्थी अर्ह पाई गईं, जबकि 97 अनर्ह रहीं। अर्ह अभ्यर्थियों में से सभी 81 महिलाओं का चयन संविदा परिचालक पद पर किया गया। चयनित महिलाओं को उनके विकल्प के अनुसार डिपो आवंटित करते हुए क्षेत्रीय प्रबंधक अमरनाथ सहाय द्वारा सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक कार्मिक सुधा की उपस्थिति में नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर चयनित महिलाओं में उत्साह और खुशी का माहौल रहा।

मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में अब पोषण पर रहेगा विशेष जोर

अमृत विचार, लखनऊ : चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने कहा कि मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में अब पोषण को भी प्रमुखता से शामिल किया जाएगा। इसके लिए बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के साथ समन्वय कर प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाई जाएगी।

अपर मुख्य सचिव बुधवार को वचुंअल माध्यम से मिर्जापुर और वाराणसी मंडल की स्वास्थ्य सेवाओं एवं योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मिर्जापुर और सोनभद्र में मिली कमियों को तत्काल दूर किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि जल्द ही औचक निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की जाएगी। चिकित्सकों को ड्यूटी के अनुसार स्वास्थ्य केंद्रों पर रात्रि विश्राम

सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। अमित कुमार घोष ने न्यूनतम खाद्य तेल के उपयोग, पानी के संरक्षण और ऊर्जा बचत पर बल दिया। साथ ही स्वास्थ्य इकाइयों में एयर कंडीशनर 25 से 27 डिग्री सेल्सियस पर चलाने तथा कार पूलिंग अपनाने की सलाह दी। निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर आधारभूत संरचना, उपकरण रखरखाव और मानव संसाधन से जुड़ी कमियां

पाई गईं, जिन्हें शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए गए।

मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल ने बताया कि 88 टीमों ने वाराणसी और मिर्जापुर मंडलों की 3,178 स्वास्थ्य इकाइयों में से 1,534 इकाइयों का निरीक्षण किया। इनमें जिला अस्पताल, सीएचसी, पीएचसी, आयुष्मान आरोग्य मंदिर और मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले शामिल रहे।

स्वगणना भविष्य की नीतियों और योजनाओं का आधार : गोयल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उ.प्र. मुख्य सचिव एसपी गोयल ने जनगणना-2027 के तहत चल रही स्व-गणना प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि भविष्य की नीतियों और विकास योजनाओं का आधार है, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बुधवार को संपन्न बैठक में

● मुख्य सचिव ने जनगणना-2027 में तेजी लाने के दिए निर्देश, ‘नो योर एन्यूमेरेटर’ अभियान चलेगा

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि आमजन के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार कर उन्हें स्व-गणना के लिए प्रेरित किया जाए। स्थानीय स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स और एन्यूमेरेशन ब्लॉक्स को 25 मई तक लाइव किया जाए। जिन जिलों में प्रशिक्षण या मैपिंग कार्य लंबित है, वहां युद्धस्तर पर कार्रवाई

सुनिश्चित की जाए। एसपी गोयल निर्देश दिए कि प्रत्येक जिले की वेबसाइट, सोशल मीडिया और व्हाट्सएप समूहों पर एन्यूमेरेटर और सुपरवाइजर की जानकारी सार्वजनिक की जाए, ताकि लोग अपने क्षेत्र के गणनाकर्मियों को आसानी से पहचान सकें।

बैठक में निदेशक जनगणना संचालन शीतल वर्मा ने बताया कि 7 मई से स्व-गणना अभियान चल रहा है और 22 मई से हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन शुरू होगा। सोनभद्र, औैया, मुहानाबाद, आजमगढ़ और बरेली सहित 10 जिले शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में शामिल हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

नाबालिग से दुष्कर्म में दोषी को 20 वर्ष का कारावास व जुर्माना

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार । पुलिस की प्रभावी पैरवी से नाबालिग के साथ दुष्कर्म में दोषी को 20 वर्ष के कठोर कारावास व 10,000 के अर्थदण्ड से दण्डित कराया गया। थाना डुमरियागंज में पौंसपो एक्ट में दर्ज मुकदमे में पुलिस की प्रभावी पैरवी पर बुधवार को न्यायाधीश वीरेन्द्र कुमार ने अभियुक्त बबलू गौड़ निवासी भटगवा थाना डुमरियागंज को दोषी पाते हुए सजा सुनाई। सजा कराये जाने में जिला मजिस्ट्रिएट सेल, अभियोजक पवन कुमार कर पाठक तथा न्यायालय पैरोकार आरक्षी राजु थाना डुमरियागंज का योगदान रहा।

पुलिस पारिवारिक विवाद में कराया समझौता

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार । प्रभारी निरीक्षक थाना सिद्धार्थनगर के नेतृत्व में थाना सिद्धार्थनगर पर एक पारिवारिक विवाद को अत्यन्त संवेदनशीलता व सूक्ष्मबुद्ध के साथ सुलझाया गया। पुलिस टीम में महिला उपनिरीक्षक निलोफर बानो की वाकपटुता से मां, बेटे और बहु के बीच कई वर्षों से चल रहे पारिवारिक विवाद समाप्त हुआ। सभी आपसी मनमुटाव भुलाकर पुनः एक साथ मिलकर हंसी खुशी से एक दूसरे के गले मिले।

पूर्व विधायक ने फाइनल मैच का कराया शुभारम्भ

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार । विकास क्षेत्र बांसी ग्राम पंचायत स्थित खेल के मैदान में आयोजित स्टार क्रिकेट टूर्नामेंट बड़हराट प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रेहरा और बड़हराट के बीच खेला गया, जिसमें रेहरा विजेता घोषित हुआ। मैच का शुभारम्भ मुख्य अतिथि विधानसभा बांसी के सपा के पूर्व विधायक लालजी यादव ने किया।

एसपी ने रात में परखी सुरक्षा व्यवस्था

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार । जनपद में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए एसपी संदीप कुमार मीना मंगलवार/ बुधवार की आधी रात अचानक सड़कों पर उतर आए। उन्होंने विभिन्न थाना क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की सतर्कता को परखा।

एसपी संदीप कुमार मीना ने प्रमुख बाजारों, संवेदनशील स्थानों, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों का निरीक्षण किया। इस

ओवरटेक के प्रयास में ट्रेलर की चपेट में आकर युवक की मौत

संतकबीरनगर, अमृत विचार। बखिरा थाना क्षेत्र के बीएमसीटी मार्ग स्थित त्रिपाठी डेंटल क्लिनिक के पास बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रेलर छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए ट्रेलर को कब्जे में ले लिया है।

जोगिया थाना क्षेत्र के पिपरहवा निवासी संजय कुमार पुत्र स्वामीनाथ पल्लर बाइक से बस्ती से नंदौर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रेलर ने हॉर्न दिया। बताया जा रहा है कि संजय बाइक को सड़क

पांच वर्ष से कम आयु के बच्चे को उसकी मां से अलग करना अन्याय : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज।

अमृत विचार । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 21 माह के एक मासूम बच्चे की अभिरक्षा मां को सौंपते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में बच्चे को मां से अलग रखना उसके साथ अन्याय होगा। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चे की अभिरक्षा सामान्यतः मां को दी जानी चाहिए, क्योंकि उसके पोषण, भावनात्मक और विकासात्मक हितों की सर्वोत्तम सुरक्षा मां ही कर सकती है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति संदीप जैन की एकल पीठ में रिकू राम उर्फ रिकू देवी की ओर से दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। मामले के अनुसार याची विवाह के बाद दहेज की अवैध मांगों को लेकर मानसिक



● जज ने महिला को सौंपी 21 माह के बच्चे की अभिरक्षा

और शारीरिक प्रताड़ना देने लगे। वर्ष 2024 में पुत्र के जन्म के बाद 19 अगस्त 2025 को पिता कथित रूप से बच्चे को जबरन अपने साथ ले गया। इस संबंध में पुलिस स्टेशन हल्दी, बलिया में 7 मार्च 2026 को किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 75 के तहत प्राथमिकी भी दर्ज की गई।

किराया वाद : पोषणीयता की प्रत्येक आपत्ति पर अलग सुनवाई आवश्यक नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज, अमृत विचार । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने किराया वाद से संबंधित मामले में स्पष्ट किया कि पोषणीयता पर आपत्ति उठाने भर से किसी पक्षकार को यह अपरिहार्य अधिकार नहीं मिल जाता कि उस मुद्दे की अलग से प्रारंभिक प्रश्न के रूप में सुनवाई हो। कोर्ट ने आगे कहा कि संक्षिप्त किराया वादों में त्वरित निस्तारण ही विधायी उद्देश्य है। अतः अगर मामला अंतिम सुनवाई के चरण में पहुंच चुका हो तो प्राधिकरण सभी आपत्तियों पर एक साथ विचार कर सकता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसी प्रक्रिया संबंधी अंतरिम आदेशों के विरुद्ध स्वतंत्र अपील का अधिकार स्वतः उत्पन्न नहीं होता। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति डॉ. योगेंद्र कुमार श्रीवास्तव की एकलपीठ ने श्रीमती आशा देवी जेसवानी एवं अन्य की ओर से अनुच्छेद 227 के तहत दाखिल याचिका को निस्तारित करते हुए की। याचिका में आगरा के रेंट आर्थॉरिटी द्वारा 17 अप्रैल 2026 को पारित आदेश तथा उसके विरुद्ध रेंट ट्रिब्यूनल द्वारा 22 अप्रैल 2026 को पारित आदेश को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि यदि हर प्रारंभिक आपत्ति को अलग-अलग सुनवाई के लिए स्वीकार किया जात लगे, तो संक्षिप्त किराया वादों के शीघ्र निस्तारण का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा।

अधिवक्ताओं को दिया

स्व-गणना का प्रशिक्षण

कुशीनगर, अमृत विचार: जनगणना-2027 के अंतर्गत स्व-गणना प्रक्रिया को सफल बनाने के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अधिवक्ताओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा द्वारा प्रदान किया गया। अधिवक्ताओं को स्व-गणना पोर्टल पर पंजीकरण, लॉगिन, परिवार के सदस्यों का विवरण दर्ज करने एवं ऑनलाइन प्रक्रिया पूर्ण करने की जानकारी दी गई। बताया कि डिजिटल स्व-गणना प्रणाली से जनगणना प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध बनेगी। कहा कि अधिवक्ता समाज की सहभागिता से आमजन को स्व-गणना के प्रति जागरूक करने में सहायता मिलेगी।

प्रवेश प्रेरणा कार्यक्रम

का किया गया आयोजन

शहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार । उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार बुधवार को शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा स्नातक कक्षा में प्रवेश हेतु विशेष प्रेरणा कार्यक्रम शिवपति इन्टर कालेज में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अरविंद कुमार सिंह के नेतृत्व में किया गया, जिसमें कक्षा 12 उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा में प्रवेश हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ उमा शंकर प्रसाद यादव, डॉ राम किशोर सिंह, डॉ अजय कुमार सिंह तथा अश्वनी सिंह ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और छात्रों को शिक्षा के महत्व पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

संवाददाता कुशीनगर।

अमृत विचार: विशेष न्यायालय एससी/एसटी दीवानी न्यायालय के विशेष न्यायाधीश इफ्कार अहमद ने मंदबुद्धि दलित बालिका से दुष्कर्म के मामले में अभियुक्त रामनाथ पटेल निवासी थाना कसया, जनपद कुशीनगर को दोषी पाते हुए आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 50 हजार अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड अदा न करने की स्थिति में एक वर्ष अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। अदालत ने थाना कसया में पंजीकृत मुकदमे में आरोपी को आईपीसी की धारा 376, 323, 354(ख) तथा

खाद्य सुरक्षा विभाग ने मारा छापा

संवाददाता, सिद्धार्थनगर,

अमृत विचार । जिलाधिकारी के आदेश के क्रम में मिलावटी खाद्य पदार्थ के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम के दृष्टिगत जनपद के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को टीम के साथ तहसील नौगढ़ के भीमापार में स्थित पानी विनिर्माण इकाई पर छापा मारकर 02 पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर का नमूना संग्रहित कर जांच हेतु खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किया गया तथा मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने पर 01 लीटर के 264 बोतल एवं 500मिलीलीटर के 816 बोतल सीज किया गया। खाद्य कारोबारकर्ता के पास वैध लाइसेंस नहीं पाये जाने पर पानी विनिर्माण इकाई को खाद्य सुरक्षा



छापेमारी के दौरान प्रतिष्ठान में जांच करते अधिकारी।

अमृत विचार

एवं मानक अधिनियम 2006 के प्राविधानानुसार सील कर दिया गया। टीम में सहायक आयुक्त खाद्य आर एल यादव, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेंद्र प्रताप सिंह एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी हीरा लाल, नीरज कुमार चौधरी मौजूद रहे। सहायक

मंदबुद्धि बालिका से दुष्कर्म में दोषी को उम्रकैद



एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2) (5) एवं 3(1)(ब)(1) के तहत दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष के अनुसार 30 जनवरी 2019 को पीड़िता खेत में बकरी चराने गई थी। तभी आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता ने घर पहुंचकर पूरी जानकारी अपने परिजनों को दी, जिसके आधार पर उसी दिन थाना कसया में मुकदमा दर्ज कराया गया। मामले की सुनवाई के दौरान

दुष्कर्म में वांछित बाल अपचारी निरुद्ध

संतकबीरनगर, अमृत विचार । खलीलाबाद कोतवाली पुलिस ने युवती से दुष्कर्म के मामले में वांछित बाल अपचारी को निरुद्ध कर लिया। पुलिस ने अपहृत को भी सकुशल बरामद करते हुए आरोपी बाल अपचारी को किशोर न्यायालय भेज दिया है। वरिष्ठ उपनिरीक्षकअमोद यादव ने बताया कि पीड़िता की ओर से कोतवाली खलीलाबाद में प्रार्थना पत्र देकर बाल अपचारी पर दुष्कर्म का आरोप लगाया गया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस

टीम लगातार आरोपी की तलाश में जुटी थी। बुधवार को अपराध निरीक्षक अजय कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल पप्पू सिंह, कांस्टेबल संदीप यादव, आरक्षी आशीष कुमार यादव तथा आरक्षी दिपेश कुमार को सूचना मिली कि वांछित बाल अपचारी डीघा बाईपास क्षेत्र में मौजूद है। सूचना के आधार पर कोतवाली पुलिस ने घेराबंदी कर उसे अभिरक्षा में ले लिया। पुछताछ और आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद बाल अपचारी को किशोर न्यायालय रवाना कर दिया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने अपहृत को भी सकुशल बरामद कर लिया।

कुल सात गवाहों के बयान दर्ज किए गए। साक्ष्यों एवं गवाहों के आधार

यातायात एवं पावर ब्लॉक देने के चलते गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा उत्तर रेलवे के लखनऊ स्टेशन पर कॉनकोर्स निर्माण कार्य के परिप्रेक्ष्य में यातायात एवं पावर ब्लॉक लिए जाने के कारण 15 मई से लेकर 22 जून तक गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन किया जायेगा। इस दौरान 19054 मुजफ्फरपुर-सूरत एक्सप्रेस, 19053 सूरत-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस, 15636 गुवाहाटी-ओखा एक्सप्रेस, 15635 ओखा-गुवाहाटी एक्सप्रेस, 15668 कामाख्या-गांधीधाम एक्सप्रेस, 15667 गांधीधाम-कामाख्या एक्सप्रेस 11079 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस, 11080 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस

एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा।

मार्ग परिवर्तन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण रेलवे के चेन्नई सेंट्रल मंडल के अरक्कोणम स्टेशन पर नान इंटरलाकिंग कार्य किये जाने के कारण कन्याकुमारी से 11 एवं 18 को चलने वाली 16367 कन्याकुमारी-बनारस काशी तमिल संगमम् साप्ताहिक एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग चेंगलपट्ट-ताम्बरम्-चेन्नई एमएम-गुडुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का उठराव काचीपुरम्, अरक्कोणम एवं पेरम्बूर स्टेशनों पर नहीं रहेगा।

सेमी हाई-स्पीड दोहरी

लाइन परियोजना को मंजूरी नई दिल्ली, अमृत विचार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने आज रेल मंत्रालय की लगभग 20,667 करोड़ रुपये की लागत वाली अहमदाबाद (सुरखेज)-धोलेरा सेमी हाई-स्पीड दोहरी लाइन परियोजना को मंजूरी दी है। स्वदेशी रूप से विकसित तकनीक से निर्मित भारतीय रेल की यह पहली सेमी हाई-स्पीड परियोजना होगी। इस परियोजना खंड से अहमदाबाद, धोलेरा एसआईआर, धोलेरा आगामी हवाई अड्डा और लोथल राष्ट्रीय समुद्री धरोहर परिसर (एनएचएमसी) के बीच बेहतर संपर्क स्थापित होगा। अहमदाबाद को धोलेरा से जोड़ने से यात्रियों का यात्रा समय कम होगा, जिससे दैनिक आवागमन आरामदायक होगा और एक ही दिन में वापसी यात्रा संभव हो सकेगी।

22 मई से 20 जून तक होगा जनगणना का कार्य

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश में जनगणना का प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के सम्बन्ध में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश में जनगणना का प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना- का कार्य 22 मई से 20 जून 2026 तक होगी जिसके को पकड़ लिया था, लेकिन भीड़ का फायदा उठाकर वह फरार हो गया।



बैठक करते जिलाधिकारी।

अमृत विचार

जनगणना के शुरू होने से 15 दिन पूर्व यानि की 7 मई से 21 मई तक स्व गणना करने की सुविधा भी वर्तमान समय में उपलब्ध है. इस अवधि में अर्थात 7 मई से 21 मई तक लोग स्वयं अपने मोबाइल, कंप्यूटर अथवा लैपटॉप से घर बैठे जनगणना की पूरी जानकारी भर सकेंगे। स्व गणना देश में

पहली बार हो रहा है जिससे प्रक्रिया अधिक आसान, तेज एवं पारदर्शी रहेगी।इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेन्द्र कुमार मौर्य, लीड बैंक अधिकारी आर०के०सिन्हा, समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत, बैंक के कर्मचारीगण आदि उपस्थित थे।

परीक्षा परिणाम

दीप राज बने जिला टॉपर, आवेश ने हासिल किया दूसरा स्थान

संवाददाता, संतकबीरनगर।

अमृत विचार । केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से मंगलवार को घोषित इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में जिले के मेधावियों ने सफलता का परचम लहराया। इस बार की मेरिट सूची में लड़कों का दबदबा देखने को मिला, जबकि छात्राओं ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। परिणाम घोषित होते ही विद्यालयों में जश्न का माहौल बन गया। छात्रों ने मिठाई बांटकर खुशी मनाई और शिक्षकों का आशीर्वाद लिया।

जवाहर नवोदय विद्यालय, हरिहरपुर के छात्र दीप राज ने 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में पहला स्थान हासिल किया। उनकी



खलीलाबाद स्थित ब्लूमिंग बड़स स्कूल में 12वीं के परिणाम घोषित होने के बाद मेधावी छात्रों को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं देती एमडी पुष्पा चतुर्वेदी।

इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। वहीं, केपीएस पब्लिक स्कूल हरिहरपुर के छात्र आवेश ने 97% अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान प्राप्त किया है। जबकि, जवाहर नवोदय विद्यालय

के छात्र नीरज ने 96.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया। जिले की मेरिट सूची में नवोदय विद्यालय के तीन छात्रों का शीर्ष तीन स्थानों पर कब्जा चर्चा का विषय बना रहा। वहीं, ब्लूमिंग

बड़स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खलीलाबाद की छात्रा रिया राव ने 94.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में चौथा स्थान हासिल किया। वह छात्राओं में सर्वाधिक अंक पाने वाली छात्रा रहीं। सूर्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र आदित्य पटेल ने 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पांचवां स्थान हासिल किया। जबकि, प्रेमा एजुकेशनल एकेडमी, मेहदावल के छात्र आमिर हमजा ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर छठवां स्थान हासिल किया। वहीं, ब्लूमिंग बड़स स्कूल की छात्रा दीक्षा पांडेय ने 93.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सातवां स्थान पाया। जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्र सचिन ने 93 प्रतिशत अंक हासिल कर आठवें स्थान पर जगह बनाई।

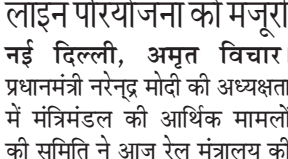
ब्लूमिंग बड़स स्कूल के छात्र हर्ष शुक्ला ने 92.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर नौवां स्थान हासिल किया। वहीं, 10वें स्थान पर संयुक्त रूप से प्रेमा एजुकेशनल एकेडमी के अमन चौरसिया और सूर्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा जसगीत कौर रहे। दोनों विद्यार्थियों ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। जीआर एकेडमी के छात्र लव कुमार सिंह ने 91.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले की मेरिट सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसरों में दिनभर उत्साह का माहौल बना रहा। अभिभावकों ने बच्चों को मिठाई खिलाकर खुशी जताई, जबकि शिक्षकों ने मेधावियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



दूसरे टापर आवेश पटेल के पिता उदयरराज पटेल हीरालाल राम निवास इंटर कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य रहे। आवेश ने बताया कि आईआईएट बनने के बाद उनका आईएएस बनने का सपना है। आईएएस बनकर देश की सेवा करूंगा। उन्होंने सभी छात्रों से अपील की है कि किसी भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए दृढ़ इच्छा शक्ति होनी चाहिए। इस सफलता का श्रेय उन्होंने अपने गुरुजनों के साथ माता-पिता को दी है।



जवाहर नवोदय विद्यालय के नीरज ने बताया कि किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि आगे वह इंजीनियर बनेंगे। जिससे कि देश की प्रगति में युवाओं की महती भूमिका रहे। इस सफलता का श्रेय इन्होंने जवाहर नवोदय विद्यालय के शिक्षकों को दी है। परिजनों में हर्ष की लहर है।



न्यूज़ ब्रीफ

डेयरी कॉन्क्लेव आगरा में आज, पशुपालक और निवेशक जुटेंगे

अमृत विचार, लखनऊ : आगरा के आरबीएस कॉलेज स्थित राव कृष्णपाल सिंह ऑडिटोरियम में 14 मई को आगरा और अलीगढ़ मंडल के पशुपालकों, दुग्ध उत्पादकों और उद्यमियों का बड़ा समागम होगा। आयोजन का शुभारंभ धर्मपाल सिंह करेंगे। यह कॉन्क्लेव दुग्ध विकास विभाग के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। ‘स्वदेशी’ उन्नत गोवंश, समृद्ध निवेश, सुरक्षित भविष्य- खुशहाल उत्तर प्रदेश” थीम पर आधारित कार्यक्रम में किसान, पशुपालक, निवेशक और उद्यमी एक मंच पर जुटेंगे। समागम में स्वदेशी गायों की उन्नत नस्लों, गोपालन में निवेश, किसानों के सुरक्षित भविष्य और डेयरी क्षेत्र से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मिलने वाले लाभ पर चर्चा होगी। डेयरी प्लांट, गोशाला और बायोगैस जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर भी विचार किया जाएगा। इस अवसर पर नदिनी कृषक समृद्धि योजना और मुख्यमंत्री स्वदेशी गोसंवर्धन योजना से जुड़े लाभार्थी अपने अनुभव साझा करेंगे।

गोबर की खाद पर सब्सिडी देगी सरकार

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार 7500 गो आश्रय स्थलों को जैविक खाद उत्पादन केंद्र के रूप में विकसित करेगी। इन केंद्रों पर गोबर से बड़े पैमाने पर खाद तैयार कर किसानों को 50 किलो के पैकेट में सब्सिडी पर उपलब्ध कराई जाएगी। उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि सरकार गोसंरक्षण को ग्रामीण अर्थव्यवस्था, प्राकृतिक खेती और रोजगार से जोड़ने पर काम कर रही है। जैविक खाद की गुणवत्ता जांच कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्र और अधिकृत पेशीसियों से कराई जाएगी। प्रदेश के लगभग 7500 गो आश्रय स्थलों में करीब 12.5 लाख गोवंश संरक्षित हैं। गोबर से खाद निर्माण, पैकेजिंग, परिवहन और विपणन से युवाओं, पशुपालकों और स्वयं सहायता समूहों को रोजगार मिलेगा। सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए गोबर और गोमूत्र आधारित मॉडल पर भी काम कर रही है। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत अब तक 1.80 लाख से अधिक गोवंश पशुपालकों को सौंपे जा चुके हैं। प्रति गोवंश 50 रुपये प्रतिदिन डीबीटी के माध्यम से दिए जा रहे हैं।

स्थापना दिवस पर दुर्लभ पांडुलिपियों की प्रदर्शनी

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार के 77वें स्थापना दिवस पर बुधवार को शहीद स्मृति भवन में राष्ट्रीय संगोष्ठी और दुर्लभ पांडुलिपियों की प्रदर्शनी आयोजित की गई। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के करीब 200 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रदर्शनी में लगभग 50 दुर्लभ पांडुलिपियां प्रदर्शित की गईं। इनमें पुरुषोत्तम माहात्म्य, वैद्यक रामविनोद, सिर-ए-अकबर, गज चिकित्सा और चित्रों सहित दुर्लभ रामचरितमानस प्रमुख आकर्षण रहीं। जयवीर सिंह ने कहा कि पांडुलिपियां भारतीय संस्कृति, इतिहास और ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने बताया कि अभिलेखागार में शोधार्थियों की सुविधा के लिए डिजिटाइजेशन और आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। मुख्य अतिथि प्रो . अजय तेनेजा ने कहा कि भारत में पांडुलिपियों की परंपरा लगभग 6000 वर्ष पुरानी है और यह विद्यार्थियों के लिए ज्ञान के साथ रोजगार का भी महत्वपूर्ण माध्यम है।

	बड़ा कदम	
--	----------	--

इंजीनियरिंग संस्थानों को अब मिलेगी राष्ट्रीय रैंकिंग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : योगी सरकार ने प्रदेश की तकनीकी शिक्षा व्यवस्था को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इंजीनियरिंग कॉलेजों और तकनीकी विश्वविद्यालयों को नैक, एनआईआरएफ और एनबीए मानकों के अनुरूप तैयार करने के लिए व्यापक गुणवत्ता सुधार अभियान शुरू किया गया है। सरकार का लक्ष्य तकनीकी संस्थानों को केवल डिग्री देने वाले केंद्रों से आगे बढ़ाकर रिसर्च, नवाचार और रोजगारपरक शिक्षा के हब के रूप में विकसित

डीजी ने फंसाया पेंच, इस्तीफे पर ही मिलेगी ज्वाइनिंग

28 अप्रैल को मुख्यमंत्री ने आरक्षियों को सौंपा था नियुक्ति पत्र

वीके सिंह, लखनऊ

अमृत विचार: यूपी पुलिस के रेडियो विभाग में नियुक्त हुए आरक्षियों के सामने संकट की स्थिति आ गई है। विभाग में नवनि्युक्त हुए आरक्षी जब ज्वाइनिंग करने पहुंचे तो डीजी टेलीकाम आशुतोष पांडेय ने यह कहकर वापस कर दिया कि पहले मूल विभाग से इस्तीफा देकर आओ। हालांकि आरक्षी कार्यमुक्ति पत्र लेकर पहुंचे हुए थे, जिसे नहीं माना गया। एसी स्थिति में सैकड़ों

- तकनीकी कारणों से इस्तीफा न देकर कार्यमुक्ति पत्र लेकर पहुंचे आरक्षी**

आरक्षी डीजीपी से मिलने पुलिस मुख्यालय पहुंचे, लेकिन मुलाकात नहीं हो सकी। हालांकि प्रकरण आईजी स्थापना के पास पहुंचा हुआ है, लेकिन स्थापना विभाग फिलहाल मौन है।

गौरतलब हो कि पुलिस के रेडियो विभाग में प्रधान परिचालक एवं प्रधान परिचालक (यांत्रिक) के 936 पदों

- डीजीपी से मिलने के लिए गेट पर हुए एकजुट हुए आरक्षी, नहीं हो सकी मुलाकात**

की परीक्षा हुई थी। जिसका परिणाम 27 जून 2025 को आया था। इस परीक्षा में पीएसी, कारागार एवं सिविल पुलिस में नौकरी कर रहे 2018, 2019, 2020 और 2021 बैच के तमाम आरक्षियों ने भी परीक्षा दी थी, जिनका चयन हुआ था। इन आरक्षियों ने रेडियो विभाग ज्वाइन करने से पहले अपने मूल विभाग में विभागाध्यक्षों

उप मुख्यमंत्री व आबकारी मंत्री

ने आधी की गाड़ियों की फ्लीट

प्रधानमंत्री की अपील पर जारी किए गए निर्देश, कहा- राष्ट्रहित सर्वोपरि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राष्ट्रहित में की गई अपील के अनुपालन में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अपनी सरकारी फ्लीट में शामिल वाहनों की संख्या आधी करने का निर्णय लिया है। उन्होंने इस संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। इसी क्रम में आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने भी अपनी फ्लीट में वाहनों की संख्या कम कर दी है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देशवासियों से ऊर्जा संरक्षण, विदेशी मुद्रा की बचत और स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए आह्वान किया है, उसका पूरी गंभीरता से पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है और इससे ऊपर कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की अपील केवल संसाधनों की बचत का संदेश नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का एक मजबूत संकल्प भी है। उक्त क्रम में ही आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने अपनी सरकारी फ्लीट (वाहनों) की संख्या में तत्काल प्रभाव से 50 प्रतिशत की कटौती करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि देश

विधानसभा की संसदीय समितियों के सभी दौरे रद्द

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के निर्देश पर विधानसभा की विभिन्न संसदीय समितियों के पूर्व निर्धारित अध्ययन भ्रमण कार्यक्रमों को अग्रिम आदेशों तक स्थगित कर दिया गया है। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संसाधनों के संयमित उपयोग और ईंधन बचत संबंधी अपील के मद्देनजर लिया गया है। विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, देशहित और वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए संसदीय समितियों के सभी अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम तत्काल प्रभाव से स्थगित रहेंगे। विधानसभा सचिवालय के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे द्वारा जारी आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री की अपील का सम्मान करते हुए यह निर्णय लिया गया है, ताकि राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप सभी संसाधनों और व्यवस्थाओं का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

ईंधन बचत का मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने लिया संकल्प

अमृत विचार, लखनऊ : योगेंद्र उपाध्याय ने नरेंद्र मोदी के ईंधन बचत और स्वदेशी अपाने के आह्वान का समर्थन करते हुए इसे वर्तमान समय की आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि वैश्विक उथल-पुथल के दौर में प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच देश को मजबूती देगी। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के तहत उन्होंने स्वयं सलाह में एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने और स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया है। साथ ही अधिकारियों और कार्यकर्ताओं से भी ई-वाहनों तथा पब्लिक ट्रांसपोर्ट का अधिक उपयोग करने की अपील की। उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि अनावश्यक ईंधन खपत रोकने के लिए अब अधिकारिता बैठकों और कार्यक्रमों का आयोजन वर्चुअल माध्यम से किया जाएगा। केवल अत्यंत आवश्यक कार्यक्रमों में ही भौतिक उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि इस पहल से ईंधन की बचत के साथ समय और संसाधनों का भी बेहतर उपयोग संभव होगा।

के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों का बेहतर यह कदम उठाया है, ताकि ऊर्जा की बचत, उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में नकल रोकने के कड़े इंतजाम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में 32,679 पदों पर होने वाली पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा को नकलविहीन, पारदर्शी और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए शासन ने कमर कस ली है। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने स्पष्ट कहा कि परीक्षा की शुचित्ता, गोपनीयता और पारदर्शिता बनाए रखने में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्य सचिव ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी मंडलालयुक्तों, जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक

- मुख्य सचिव ने मंडलालयुक्तों और डीएम को दिए निर्देश**
- 8 से 10 जून तक परीक्षा, सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद**

कर कड़े निर्देश जारी किए। बैठक में एंडीजी एस.बी. शिरडकर ने बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल के 32,679 पदों पर भर्ती के लिए सभी 75 जिलों के 1180 केंद्रों पर लिखित परीक्षा 8, 9 और 10 जून 2026 को आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा दो पालियों में होगी, 28,86,797 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

एसपी गोयल ने निर्देश दिया कि परीक्षा केंद्रों पर किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध



पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा की तैयारी को लेकर शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्य सचिव एसपी गोयल।

रहेगा। सभी तैनात कार्मिक सत्यापित सरकारी कर्मचारी होंगे और उनकी नियुक्ति शत-प्रतिशत रैंडमाइजेशन के आधार पर की जाएगी।साथ ही, किसी भी कर्मचारी के पास मोबाइल या अन्य गैजेट पाए जाने पर कड़ी

कार्रवाई होगी।केंद्र प्रभारी पुलिस अधिकारी प्रतिदिन परीक्षा केंद्रों का सैनिटाइजेशन कराएंगे। उपयोग में न आने वाले कक्षों को स्टैटिक मजिस्ट्रेट द्वारा विधिवत सील किया जाएगा। जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि परीक्षा

तिथि से कम से कम 10 दिन पूर्व सभी नामांकित कार्मिकों की सूची भर्ती बोर्ड, पुलिस और प्रशासन के नोडल अधिकारियों को उपलब्ध कराई जाए। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की सूची भी इसी अवधि में देनी होगी।

आतंकी घटना की साजिश रचने के आरोपी एटीएस रिमांड पर

विधि संवाददाता, लखनऊ: पाकिस्तानी एजेंट आबिद जट्ट, शहजाद भट्टी व हम्माद के लिए काम करने वाले एवं भारत देश के विभिन्न शहरों में विस्फोट कर आतंकी घटना को अंजाम देने की साजिश रचने के आरोपी कृष्णा मिश्रा व दानियाल अशराफ को एनआईए की विशेष न्यायाधीश नीतू पाठक ने सात दिन के लिए एटीएस को रिमांड पर दिए जाने का आदेश दिया है। एटीएस

दोनों आरोपियों से 14 मई सुबह 11 बजे से 20 मई की शाम 6 बजे तक पूछताछ कर सकेगी।

रिमांड अर्जी पर एटीएस की ओर से विशेष लोक अभियोजक नागेन्द्र गोस्वामी ने अभियुक्तों की पुलिस कस्टडी रिमांड की मांग करते हुए बताया कि गिरफ्तारी के समय अभियुक्तों के पास से अवैध असलहें, कारतूस, मोबाइल फोन व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण

बरामद हुए थे, जिसके संबंध में उनसे गहनता से पूछताछ किया जाना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त अभियुक्तों के बैंक खाते से हुए लेने-देन के संबंध में भी विस्तार से पूछताछ किए जाने की आवश्यकता है। अभियुक्त कृष्णा मिश्रा ने पूछताछ में बताया है कि उसने शोएब व रवि कश्यप के साथ मिलकर गजरौला, अमरोहा में पुलिस पर गोली चलाई थी। वहीं

दूसरे अभियुक्त दानियाल अशराफ ने अपने बयान में स्वीकार किया है कि उसने महाराष्ट्र के नारपोली पुलिस स्टेशन, भिवंडी महाराष्ट्र का वीडियो तथा नवी मुंबई स्थित आरआरएस कार्यालय की लोकेशन को अपने पाकिस्तानी हैंडलर हम्माद को भेजा था। उन दोनों स्थानों का प्वाइंट आउट मेमो तथा नक्शा नजरी तैयार करने के लिए अभियुक्तों को वहां ले जाना आवश्यक है।



डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष का लोगो जारी करती राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

अमृत विचार

आंबेडकर विवि के शताब्दी वर्ष का लोगो

स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनन्दीबेन पटेल ने बुधवार को डॉ.भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष का लोगो, स्मारक सिक्का, विशेष डाक टिकट और “वाणी” पुस्तिका का विमोचन किया। यह लोगो विश्वविद्यालय के एक जुलाई, 2026 को शताब्दी वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जारी किया गया है। राज्यपाल एवं कुलाधिपति, जनभवन में डॉ.भीमराव आंबेडकर

‘विजिट माय स्टेट’ अभियान

शुरू करेगी प्रदेश सरकार

- संग्रहालयों में दो माह तक पर्यटकों को प्रवेश नि:शुल्क**

अमृत विचार, लखनऊ : जयवीर सिंह ने प्रदेश में पर्यटन को नई दिशा देने के लिए ‘विजिट माय स्टेट’ अभियान शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विभागीय बैठक में घरेलू पर्यटन, डेस्टिनेशन वेडिंग और धार्मिक-सांस्कृतिक स्थलों को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

बैठक में फैसला लिया गया कि उत्तर प्रदेश के संग्रहालयों में अगले दो माह तक पर्यटकों को नि:शुल्क प्रवेश मिलेगा। साथ ही वाराणसी, आगरा, मथुरा, लखनऊ, प्रयागराज, मिर्जापुर

और अयोध्या के लिए आकर्षक टूर पैकेज तैयार किए जाएंगे। पर्यटन मंत्री ने कहा कि प्रदेश के हैरिटेज स्थल, किले और ईको टूरिज्म साइट्स डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उपयुक्त हैं। उन्होंने चुनाव किला और छतर मंजिल को जल्द तैयार करने के निर्देश दिए। घरेलू पर्यटन बढ़ाने के लिए राही पर्यटक आवास में 25 प्रतिशत तक छूट देने पर भी जोर दिया गया।

48 घंटे में 35 एनकाउंटर, तीन इनामी ढेर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: यूपी पुलिस विगत 48 घंटे में 35 एनकाउंटर किए। इन एनकाउंटर में दो अलग-अलग स्थानों से तीन इनामी भी ढेर हुए हैं। एनकाउंटर में घायल आरोपियों का इलाज कराया जा रहा है। सर्वाधिक एनकाउंटर मुजफ्फरनगर जिले में हुए, हालांकि यहां पर किसी आरोपी की मौत नहीं हुई। विगत सप्ताह भी एनकाउंटर हुए थे, जिसमें चार अपराधी ढेर हो गए थे।

गाजियाबाद पुलिस ने एटीएम लूट कांड में आरोपी एवं 50-50 हजार के इनामी जुबैर और समीर को एनकाउंटर में मार गिराया। एनकाउंटर की यह घटना गाजियाबाद में मंगलवार की देर रात हुई। विगत 6 मई को दोनों आरोपियों ने गन प्वाइंट पर कैश वैन

किसान हित के सुझाव कार्ययोजना में होंगे शामिल : शाही

अमृत विचार, लखनऊ : कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में बुधवार को विधानसभा समिति कक्ष में कृषि स्थायी समिति की बैठक हुई। बैठक में समिति सदस्यों ने किसानों के हित में प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री के प्रति आभार जताया। कृषि मंत्री ने कहा कि समिति के सभी रचनात्मक सुझावों को विभाग

की आगामी कार्ययोजनाओं में शामिल किया जाएगा। उन्होंने सदस्यों से अपने-अपने क्षेत्रों में किसानों को विभागीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। साथ ही, आधुनिक खेती के मॉडल अपनाकर किसानों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करने की बात कही।

बैठक में किसानों की उपज की उचित मूल्य पर समयबद्ध खरीद,

ग्रामीण परिवारों को अब 125 दिन रोजगार की गारंटी: केशव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : केशव प्रसाद मौयं

ने कहा कि विकसित भारत-जीरामजी अधिनियम, 2025 ग्रामीण विकास को नई दिशा देने वाला कदम है। इस कानून के तहत हर ग्रामीण परिवार को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिन वैधानिक मजदूरी रोजगार का अधिकार मिलेगा। यह व्यवस्था 1 जुलाई 2026 से लागू होगी।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि नए कानून से रोजगार अवधि में 25 दिन की बढ़ोतरी होगी। अभी महत्वाता गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत

आवारा पशुओं से फसलों की सुरक्षा और कृषि विभाग की योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार पर चर्चा हुई। सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण और मृदा स्वास्थ्य सुधार के लिए प्राकृतिक खेती को और बढ़ावा देने का सुझाव दिया।

बैठक में रामसूरत राजभर, राजेंद्र सिंह पटेल, केपी श्रीवास्तव, बाबूलाल, सुरेंद्र कुमार कुशवाहा और वीरेंद्र सिंह लोधी सहित समिति सदस्य मौजूद रहे।



ग्रामीण परिवारों को 100 दिन रोजगार मिलता है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद ग्राम सभा और ग्राम पंचायत की सक्रिय भागीदारी से विकास योजनाओं का चयन किया जाएगा, जिससे स्थानीय जरूरतों के अनुरूप कार्य हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि नए ढांचे में जल सुरक्षा परियोजनाएं, ग्रामीण बुनियादी ढांचा, आजीविका से जुड़े कार्य और मौसम की अत्यधिक मार से बचाव संबंधी योजनाएं शामिल होंगी। इससे रोजगार के साथ गांवों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार भी होगा।

विकास योजनाओं का चयन किया जाएगा, जिससे स्थानीय जरूरतों के अनुरूप कार्य हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि नए ढांचे में जल सुरक्षा परियोजनाएं, ग्रामीण बुनियादी ढांचा, आजीविका से जुड़े कार्य और मौसम की अत्यधिक मार से बचाव संबंधी योजनाएं शामिल होंगी। इससे रोजगार के साथ गांवों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार भी होगा।

परीक्षा एजेंसी पर प्रश्न

नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा का रह होना अक्षम्य प्रशासनिक त्रुटि और देश की सार्वजनिक परीक्षा व्यवस्था पर गहरा धब्बा है। जिस परीक्षा के आधार पर भविष्य के चिकित्सा छात्र चुने जाने हों, उसके प्रश्नपत्र क्वाट्रसेपे और टेलीग्राम समूहों में पांच-पांच हजार रुपये में बिकते पाए जाएं, तो यह भ्रष्टाचार प्रतिभा और परिश्रम के साथ राष्ट्रीय विश्वासघात है। भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लोक अब अपवाद नहीं, एक ‘समानांतर उद्योग’ बन चुका है। बार-बार यही कहानी दोहराया जाना केवल तकनीकी सुरक्षा की नहीं, बल्कि संगठित अपराध, प्रशासनिक मिलीभगत और कमजोर जवाबदेही की भी है। हर बार जांच समिति, नई गाइडलाइन, ‘कड़ी कार्रवाई’ के दावे, लेकिन फिर वही विफलता। प्रश्न यह है कि दुनिया के अनेक देश करोड़ों परीक्षार्थियों की परीक्षाएं अपेक्षाकृत सुरक्षित ढंग से करा सकते हैं, तो भारत क्यों नहीं ? एनटीए की भूमिका सवालों के घेरे में है।

संसदीय समिति की रिपोर्ट के अनुसार 2014 के बाद, इसके द्वारा कराई गई अनेक परीक्षाएं विवादों और भीषण अनियमितताओं का शिकार हुई। परिणामों में देरी, तकनीकी खामियां, पेपर लोक और परीक्षा प्रबंधन की कमजोरियां लगातार सामने आती रहीं। इसके बावजूद कोई संस्थागत जवाबदेही तय नहीं हुई और छात्रों और अभिभावकों का भरोसा कमजोर पड़ता गया। इसका बड़ा बोझ ईमानदार छात्रों पर पड़ता है, जिन्होंने वर्षों मेहनत की, कोचिंग पर लाखों रुपये खर्च किए, मानसिक दबाव झेला, उनका भविष्य कुछ अपराधियों और भ्रष्ट नेटवर्क के कारण अनिश्चित हो जाता है। अब दोबारा परीक्षा होगी तो लाखों छात्रों का यात्रा, आवास और तैयारी का अतिरिक्त खर्च बढ़ेगा। उनकी मानसिक लय टूटेगी। ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों पर इसका प्रभाव और अधिक गंभीर होगा। दोबारा परीक्षा कराने का लगभग 500 करोड़ रुपये के अतिरिक्त व्यय का भार कौन उठाएगा ? अंततः यह करदाताओं के पैसे से ही आएगा। यह संकट शिक्षा की नैतिकता पर भी प्रश्न खड़ा करता है। यदि सफलता परिश्रम और प्रतिभा से नहीं, पैसे और पहुंच से खरीदे गए प्रश्नपत्र से तय होगी, तो फिर परीक्षा का क्या अर्थ ? चिकित्सा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में यह बहुत खतरनाक है। सरकार ने सीबीआई जांच और दस दिन में नए परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा करके संदेश दिया है कि वह परीक्षा की शुचिता पर समझौता नहीं करेगी, लेकिन मात्र जांच पर्याप्त नहीं। देश में ऐसे मामलों में दोष सिद्धि की दर अत्यंत कम है। अधिकांश आरोपी सुदीर्घ कानूनी प्रक्रिया का लाभ उठाते रहते हैं। समाधान केवल परीक्षा रद्द करने में नहीं, पूरी संरचना बदलने में है। सरकार को सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम को कठोराता से लागू करना होगा। डिजिटल एन्क्रिप्टेड प्रश्नपत्र प्रणाली, एआई आधारित निगरानी, सीमित समय में सुरक्षित डाउनलोड, स्थानीय प्रिंटिंग नियंत्रण और परीक्षा केंद्रों का स्वतंत्र ऑडिट अनिवार्य करना चाहिए।

दक्षिण कोरिया, चीन और सिंगापुर जैसे देश में परीक्षा सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा जितनी गंभीरता से लेते हैं, भारत को भी यही दृष्टिकोण अपनाना होगा। सार्वजनिक परीक्षाओं की विश्वसनीयता केवल प्रशासनिक विषय नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास का आधार है।

प्रसंगवश

संगठित बनता जा रहा मिलावट का कारोबार

हाल ही में हैदराबाद में नकली चाय का जखीरा बरामद किया गया। पुलिस ने गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार किया। जांच में पता चला कि आरोपी अधिक एक्सपायरी कमाने के लिए कृत्रिम खाद्य रंग, गुड़ का शरबत और एकस्पायरी डेट के चाय पाउडर की मिलावट कर रहे थे। इसी तरह मध्य प्रदेश में डेयरी प्रोडक्ट्स में मिलावट का बड़ा केस सामने आया है। ईंडी की जांच में पता चला कि फर्जी दस्तावेज बनाए गए थे और फर्जी रिपोर्ट भी तैयार की जाती थी, ताकि एक्सपोर्ट किया जा सके।

वहीं घोटाले से होने वाली कमाई को अलग-अलग खातों के जरिए घुमाया जाता था। ईंडी ने इस मामले में एक कंपनी के पूर्व सीईओ को भी गिरफ्तार किया है। इसी तरह दिल्ली में नकली दूधपेस्ट और दवाइयां बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। असल में देश भर में नकली दूध, मिलावटी पनीर, एक्सपायरी डेट के फूड प्रोडक्ट, नकली सांस, नकली मावा आदि के मामले रोज पकड़े जा रहे हैं। हाल ही में शीतल पेय और बिस्कुट जैसे रोजमर्रा के उपभोक्ता उत्पादों की कथित तौर पर समाप्ति तिथि के बाद खुले बाजार में बिक्री, समाप्त हो चुके सामानों की दोबारा पैकेजिंग और मिलावटी वस्तुओं के प्रचलन के साथ ही नकली दूधपेस्ट बनाने वाली गिरोह पकड़ी गई है। यह इस बात की ओर

इशारा करते हैं कि इस तरह की अनुचित और अवैध गतिविधियां बड़े पैमाने पर चल रही हैं।

एक सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, हर तीन में से एक दूध का सैपल फेल हो रहा है। साल 2025 में दूध के 38 फीसदी नमूने मिलावटी पाए गए। पानी, डिजैट, यूरिया और खतरनाक केमिकल्स मिलाकर सेहत के नाम पर जहर बेचा जा रहा है। उत्तर भारत में 47 प्रतिशत तक सैपल फेल हुए। वहीं दक्षिण में 18 फीसदी, पश्चिम में 23 प्रतिशत और पूर्व में 13 फीसदी दूध के नमूने फेल पाए गए। सवाल यह है कि क्या हम अपने बच्चों को दूध के नाम पर धोमा जहर पिलाने के लिए मजबूर हैं ? वहीं देश में जांच के लिए लैब की संख्या क्यों नहीं बढ़ाई जा रही है ? मिलावटी उत्पादों की जांच करने वाली संस्था भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) का कहना है कि पनीर और शीतल पेय से लेकर डेयरी उत्पाद, दूधपेस्ट और यहां तक कि अदरक-लहसुन पेस्ट तक घरेलू खपत का एक बड़ा हिस्सा बनाने वाली अधिकतर कंपनियों के कई मुख्य खाद्य पदार्थ उतने स्वच्छ नहीं हो सकते, जितने वे दिखाए जाते हैं।

साल 2026 के केवल चार महीनों में देश भर में की गई कई प्रवर्तन कार्रवाइयों ने व्यापक मिलावट बाजार की भयावह वास्तविकता को उजागर किया है। छोटे, अवैध कारखानों में नकली उत्पादों का निर्यात हो रहा है, जो जन स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। ऐसे अवैध धंधे पर हाल ही में हुई छापेमारी और कार्रवाई की पड़ताल से पता चलता है कि मिलावट किस हद तक एक पूर्ण विकसित व्यावसायिक उद्यम में तब्दील हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से राज्यसभा को दिए गए आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2025-26 के लिए कुल 1,55,306 नमूनों का विश्लेषण किया गया है, जिनमें से कुल 27,567 नमूने अप्रमाणित पाए गए। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)



प्रेम ही आपके और हर चीज के बीच का पुल है।

–रूमी, सूफी

अपील तभी प्रभावी जब सत्ता स्वयं उदाहरण बने



जयदेव राठी

अधिवक्ता

देश इस समय वैशिक अस्थिरता, बढ़ती ऊर्जा कीमतों और विदेशी निर्भरता जैसी चुनौतियों से गुजर रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, अनावश्यक सोने की खरीद से बचने तथा सादगी अपनाने की अपील केवल एक सामान्य सरकारी संदेश नहीं है, बल्कि यह आने वाले समय की चुनौतियों के प्रति सजग रहने की अपील भी है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस अपील को केवल जनता तक सीमित न रखकर अब कुछ राज्य सरकारें स्वयं पर भी लागू करती दिखाई दे रही हैं। इसी क्रम में योगी आदित्यनाथ की पहल विशेष रूप से उल्लेखनीय बन जाती है।

उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है। जनसंख्या, प्रशासनिक ढांचे और राजनीतिक प्रभाव- तीनों दृष्टियों से इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे राज्य में यदि मुख्यमंत्री स्वयं मंत्रियों और वीआईपी काफिलों में 50 प्रतिशत तक कटौती का निर्णय लेते हैं, सरकारी बैठकों को ऑनलाइन करने की बात करते हैं, सार्वजनिक परिवहन और कारपूलिंग को बढ़ावा देते हैं तथा ‘नो व्हिकल डे’ जैसी अवधारणा सामने रखते हैं, तो यह केवल प्रशासनिक आदेश नहीं रह जाता, बल्कि शासन की मानसिकता का संकेत बन जाता है।

भारत में सबसे बड़ी समस्या यह रही है कि त्याग और संयम का उपदेश अक्सर केवल आम जनता के हिस्से आया, जबकि सत्ता वर्ग स्वयं वैभव और सरकारी संसाधनों के प्रदर्शन में लगा रहा। जनता से ईंधन बचाने की अपील की जाए और दूसरी ओर सैकड़ों गाड़ियों के काफिले सड़कों पर दौड़ते रहें, तो संदेश की विश्वसनीयता कमजोर पड़ जाती है। यही कारण है कि योगी सरकार का यह कदम राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए। इससे कम से कम यह संकेत गया है कि सरकार जनता से जो कह रही है, उसे स्वयं पर भी लागू करने की कोशिश कर रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं भी अपने काफिले का आकार घटाने तथा सरकारी

विभागों में खर्च कम करने के निर्देश दिए हैं। खबरों के अनुसार उनके काफिले में वाहनों की संख्या में कमी की गई है तथा इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की दिशा में भी पहल हुई है। यह कदम प्रतीकात्मक अवश्य है, लेकिन राजनीति में प्रतीकों का अपना महत्व होता है। जब शीर्ष नेतृत्व सादगी का संकेत देता है, तब प्रशासनिक तंत्र पर भी उसका प्रभाव पड़ता है।

आज दुनिया जिस आर्थिक और भू-राजनीतिक परिस्थिति से गुजर रही है, उसमें ऊर्जा सुरक्षा किसी भी देश के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनती जा रही है। मध्य-पूर्व में तनाव बढ़ने का असर सीधे तेल की कीमतों पर पड़ता है और भारत जैसे आयात-निर्भर देश पर इसका भारी आर्थिक बोझ पड़ता है। पेट्रोलियम आयात पर बढ़ता खर्च न केवल आम आदमी की जेब प्रभावित करता है, बल्कि देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर भी दबाव डालता है। इसी तरह सोने की अत्यधिक खरीद भी विदेशी मुद्रा पर असर डालती है। इतिहास गवाह है कि पहले की सरकारों में भी कठिन दौर में देश को सोने और विदेशी मुद्रा संकट से जूझना पड़ा था।

ऐसे समय में यदि सरकार जनता से संयम की अपील कर रही है, तो उसका उद्देश्य केवल बचत नहीं, बल्कि आर्थिक अनुशासन भी है, लेकिन यह अनुशासन तभी सफल होगा, जब यह समाज के हर वर्ग पर समान रूप से लागू हो। नेता, मंत्री, विधायक, बड़े अधिकारी और सरकारी संस्थान यदि पहले उदाहरण प्रस्तुत करें, तभी जनता इसे गंभीरता से लेगी।

योगी आदित्यनाथ की पहल का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि उन्होंने इसे केवल सरकारी खर्च कटौती तक सीमित नहीं रखा। वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन बैठकें, सार्वजनिक परिवहन, मेट्रो, सीपनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना, ये सभी आधुनिक प्रशासनिक सोच के संकेत हैं। कोविड काल के दौरान देश ने देखा था कि डिजिटल माध्यमों से भी प्रशासन और कार्य व्यवस्था को प्रभावी ढंग से चलाया जा सकता है। उस अनुभव

को अब ऊर्जा बचत और संसाधन प्रबंधन से जोड़ना एक व्यावहारिक कदम माना जा सकता है।

इस पूरे विषय का एक दूसरा पक्ष भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विपक्ष यह सवाल उठा रहा है कि क्या केवल जनता से अपील करना पर्याप्त है ? क्या सरकारें महंगाई, ईंधन कर्ों और आर्थिक दबावों को कम करने की दिशा में भी ठोस कदम उठाएंगी ? मायावती ने भी कहा कि यह केवल ‘संयम’ का नहीं, बल्कि आम जनता के लिए ‘संकट’ का विषय है। यह सवाल अपनी जगह महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश का मध्यमवर्ग और गरीब वर्ग पहले से ही महंगाई के दबाव से जूझ रहा है।

सरकारों को केवल नैतिक अपीलों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्हें सरकारी फिजूलखर्ची पर वास्तविक नियंत्रण, अनावश्यक सरकारी यात्राओं में कमी, वीआईपी संस्कृति पर अंकुश और सार्वजनिक संसाधनों के पारदर्शी उपयोग की दिशा में ठोस नीति बनानी होगी। यदि मंत्री और अधिकारी सप्ताह में एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें, सरकारी बैठकों को अधिकतम डिजिटल बनाया जाए और सरकारी वाहनों के उपयोग का ऑडिट हो, तो इससे जनता में सकारात्मक संदेश जाएगा।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि उत्तर प्रदेश के बाद अन्य राज्यों में भी इसी तरह की पहल दिखाई देने लगी है। दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में भी काफिलों की संख्या कम करने, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने और सरकारी खर्च घटाने जैसे कदमों की चर्चा सामने आई है। यदि यह अभियान राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नीति का स्वरूप लेता है, तो इसका दूरगामी प्रभाव हो सकता है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में नेतृत्व केवल भाषणों से स्थापित नहीं होता, बल्कि आचरण से स्थापित होता है। जनता हर बात को देखती और समझती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)



अनाज के ढेर पर बैठी भूखी दुनिया



प्रो. आरके जैन

शिक्षाविद्

सभ्यता की चकाचौंध के बीच दुनिया एक खामोशा त्रासदी जी रही है। खेतों में रिकॉर्ड अनाज उग रहा है, खाद्य कंपनियां लगातार विस्तार कर रही हैं और बाजार रंग-बिरंगे पैकेटों से भरे पड़े हैं, फिर भी करोड़ों लोग भूख की यातना सहने को मजबूर हैं। यह केवल आर्थिक विषमता नहीं, बल्कि विकास के खोखले मॉडल की सबसे बड़ी हार है। अधिक उत्पादन की लालसा ने जंगल उजाड़े, जलस्रोत खत्म किए और मिट्टी की जीवन शक्ति घटा दी। अब प्रकृति भी उसी विनाश का जवाब दे रही है। कहीं लू फसलें झुलसा रही हैं, तो कहीं बाढ़ महीनों की मेहनत बहा ले जाती है। भूख और पर्यावरण विनाश का यह दुष्पन्ध अब इतना भयावह हो चुका है कि यदि इसे समय रहते नहीं तोड़ा गया, तो आने वाला दौर मानव इतिहास का सबसे अधिकारमय अध्याय बन सकता है।

मानव सभ्यता की सबसे भयावह तस्वीर आज आंकड़ों में कैद दिखाई देती है। वर्ष 2025 में लगभग 266 मिलियन लोग तीव्र खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे थे, जबकि संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 673 मिलियन लोग लगातार भूख का सामना कर रहे हैं। अफ्रीका में हर पांचवां व्यक्ति भोजन संकट में जी रहा है। 35.5 मिलियन बच्चे कुपोषण के शिकार हैं और करीब 10 मिलियन गंभीर स्थिति में हैं। सबसे दर्दनाक तथ्य यह है कि दुनिया की अधिकांश भूख केवल 10 देशों में सिमट चुकी है। यह केवल भोजन की कमी नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था की विफलता का प्रमाण है। युद्ध, आर्थिक संकट, बेरोजगारी और जलवायु आपदाएं मिलकर भूख को ऐसा हथियार बना चुकी हैं, जो ईसानी अस्तित्व को भीतर से तोड़ रहा है। अब

भूख किसी गरीब राष्ट्र की समस्या नहीं, बल्कि असंतुलित वैश्विक विकास का सबसे भयावह चेहरा बन चुकी है। मानवता को भोजन देने वाली व्यवस्था अब पृथ्वी के विनाश का बड़ा कारण बन चुकी है। वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 26 प्रतिशत हिस्सा खाद्य प्रणाली से आता है। कृषि अकेले पृथ्वी की आधी रहने योग्य भूमि और 70 प्रतिशत मिठे पानी का उपयोग करती है। वर्ष 2022 में एग्रीफूड सिस्टम ने करीब 16.2 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष उत्सर्जन किया था। पशुपालन से निकलने वाली मीथेन, रासायनिक उर्वरकों से पैदा नाइट्रस ऑक्साइड और जंगलों की कटाई से बढ़ती कार्बन डाइऑक्साइड धरती को लगातार गर्म कर रही हैं। तापमान में हर अतिरिक्त डिग्री वृद्धि प्रति व्यक्ति लगभग 120 कैलौरी प्रतिदिन घटा देती है। यानी अधिक उत्पादन की दौड़ ही भविष्य का भोजन निगल रही है।

बदलता जलवायु चक्र अब भूख को और भयावह बना रहा है। मौसम अब अनुमान नहीं, भया का विषय बन चुका है। कहीं महीनों तक बारिश नहीं होती, तो कहीं कुछ घंटों की वर्षा पूरी खेती बहा ले जाती है। लू, सूखा, चक्रवात और बाढ़ लगातार फसलों को नष्ट कर रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अमीर देशों में 41 प्रतिशत और गरीब देशों में 28 प्रतिशत तक उपज क्षमता घट सकती है। सबसे बड़ा संकट छोटे किसानों पर है, जिनके पास न आधुनिक तकनीक, न बीमा और न पर्याप्त संसाधन हैं। कई संघर्षप्रस्त क्षेत्रों में भूख को हथियार बनाया जा रहा है। यदि यही स्थिति रही, तो वर्ष 2030 तक लगभग 512 मिलियन लोग भूख की चपेट में आ सकते हैं।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि एक ओर करोड़ों लोग भूखे सोते हैं, वहीं दूसरी ओर भोजन कूड़े में फेंक दिया जाता है। दुनिया में उत्पादित भोजन का लगभग एक-तिहाई हिस्सा बर्बाद हो जाता है। यह अपव्यय 8-10 प्रतिशत उत्सर्जन के बराबर है। अमीर देशों की थालियों से फेंका गया भोजन गरीब देशों के बच्चों की भूख बनता है। उधर, मिट्टी की उर्वरता घट रही है, भूजल स्तर गिर रहा है और जैव विविधता खत्म हो रही है।

रासायनिक खेती ने उत्पादन बढ़ाया, लेकिन मिट्टी कमजोर की। अब टिकाऊ विकल्प जरूरी हैं। यदि दुनिया को इस संकट से निकलना है, तो भोजन को व्यापार नहीं, मानव अस्तित्व की जिम्मेदारी मानना होगा। अन्यथा भूख का यह संकट वैश्विक स्थिरता तोड़ देगा। विनाश के बढ़ते साये में रिजनरेटिव कृषि सबसे बड़ी आशा बन चुकी है। यह केवल खेती की तकनीक नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलन की नई राह है। कवर क्रॉपिंग, फसल चक्रण, नो-टिल फार्मिंग, एग्रोफॉरेस्ट्री और प्रिंसिजन फार्मिंग मिट्टी को फिर जीवंत बना रही हैं। स्वस्थ मिट्टी अधिक कार्बन सोखती है, कम पानी में बेहतर उत्पादन देती है और जलवायु संकट झेलने की क्षमता बढ़ाती है।

समाधान केवल नई तकनीकों से नहीं निकलेगा, जब तक नीतियों और सामाजिक सोच में बदलाव नहीं आता। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

बंद होते सरकारी स्कूल

सरकारी स्कूल बंद क्यों हो रहे हैं ? क्या सचमुच गांवों में बच्चे कम हो गए हैं या फिर शिक्षा को देखने का समाज और सरकार का नजरिया बदल गया है ? दिलचस्प बात यह है कि जिन आर्थिक नीतियों के दौर में देशभर में हजारों सरकारी स्कूल खोले गए, उसी दौर ने धीरे-धीरे ऐसी मानसिकता भी पैदा की, जिसमें शिक्षा का



मनोज अभिज्ञान

ब्लॉगर

मूल्य उसके मानवीय और सामाजिक महत्व से नहीं, बल्कि नौकरी और बाज़ार में उसकी उपयोगिता से तय होने लगा। इन स्कूलों की उत्पत्ति में ही उनके बंद होने के बीज भी पड़ गए थे।

1990 के दशक में भारत में प्राथमिक शिक्षा के विस्तार के लिए जो बड़े पैमाने पर स्कूल खोले गए, वह सीधे या परोक्ष रूप से विश्व बैंक तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से वित्त पोषित था। उस दौर में केंद्र सरकार की शिक्षा नीतियों और योजनाओं को विश्वबैंक सहित

कई अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने वित्तीय और नीतिगत समर्थन दिया। सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम था District Primary Education Programme (DPEP), जो 1994 में शुरू हुआ।

इसका उद्देश्य था प्राथमिक शिक्षा का तेजी से विस्तार करना, खासकर उन जिलों में, जहां महिला साक्षरता और स्कूल नामांकन बहुत कम था। इस कार्यक्रम को भारत सरकार चला रही थी, लेकिन इसके लिए धन और तकनीकी सहायता World Bank, DFID, UNICEF, European Commission आदि से आई। इसी DPEP के तहत नए प्राथमिक विद्यालय खोले गए, स्कूल भवन बने, पैरा-टीचर रखे गए, लड़कियों और दलित-आदिवासी बच्चों के नामांकन पर जोर दिया गया, शिक्षक प्रशिक्षण और पाठ्यपुस्तक सुधार हुए। बाद में यही मॉडल आगे चलकर सर्व शिक्षा अभियान का आधार बना।

1990 का दशक भारत में आर्थिक उदारीकरण का दौर था। उसी समय Education for All जैसी वैश्विक नीतियां भी आईं। विश्वबैंक और अन्य संस्थाएं विकासशील देशों में प्राथमिक शिक्षा के विस्तार को बढ़ावा दे रही थीं। इस पर आलोचना भी हुई। कई शिक्षाविदों और चिंतकों ने कहा कि विश्वबैंक की नीतियों ने शिक्षा को न्यूनतम साक्षरता तक सीमित कर दिया, स्थायी शिक्षकों की जगह कम वेतन वाले पैरा-टीचर बढ़ाए गए, शिक्षा का ढांचा कम लागत वाले मॉडल की ओर गया और प्राथमिक शिक्षा पर जोर देकर उच्च शिक्षा की उपेक्षा हुई।

–फेसबुक वॉल से



सामयिकी

सिस्टम की लाचारी व पेपर लीक नेटवर्क की मनमानी

नीट 2026 परीक्षा एक कथित ‘गैस पेपर’ को लेकर विवादों में आ गई है और परीक्षा को रद्द कर दिया गया। यहां पर यक्ष प्रश्न यह खड़ा होता है कि आखिर हर बड़ी परीक्षा के बाद भरोसा का संकट क्यों उत्पन्न हो जाता है ? लाखों छात्र-छात्राएं वर्षों की कठिन मेहनत, बहुत सा पैसा और धन खर्च करके तनाव और उम्मीदों के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होते हैं, लेकिन जैसे ही पेपर लोक, गड़बड़ी या फर्जीवाड़े की खबर सामने आती है, पूरी परीक्षा व्यवस्था संदेह के घेरे में आ जाती है। भले ही बाद में जांच एजेंसियां सच और अफवाहों के बीच अंतर स्पष्ट कर दें, लेकिन तब तक विद्यार्थियों का मानसिक संतुलन, आत्मविश्वास और व्यवस्था पर भरोसा बुरी तरह प्रभावित हो चुका होता है। आज प्रतियोगी परीक्षाएं केवल प्रतिभा की नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता की परीक्षा बनती जा रही हैं। चाहे नीट



सुनील कुमार महला

लेखक

हो, शिक्षक भर्ती परीक्षा, पुलिस भर्ती, पटवारी परीक्षा, एसएससी या राज्यों की अन्य छोटी-बड़ी भर्तियां- आज लगभग हर परीक्षा के बाद यही प्रश्न उठता है कि क्या मेहनत करने वाले विद्यार्थियों को वास्तव में न्याय मिलेगा ? सबसे बड़ी चिंता की बात तो यह है कि पेपर लोक अब अपवाद नहीं रहा, बल्कि यह धीरे-धीरे एक संगठित अपराध का रूप ले चुका है। इसमें केवल दलाल ही नहीं, बल्कि कई बार कोचिंग नेटवर्क, तकनीकी विशेषज्ञ, प्रिंटिंग सिस्टम से जुड़े लोग और अंदरूनी तंत्र तक शामिल पाए जाते हैं। करोड़ों रुपये का यह अवैध खेल युवाओं के भविष्य पर भारी पड़ रहा है। जब कोई परीक्षा रद्द होती है तो लाखों अभ्यर्थियों का समय, पैसा और मानसिक संतुलन प्रभावित होता है। गांवों से शहरों तक परीक्षा देने आने वाले गरीब परिवारों के सपने एकर झटके में टूट जाते हैं। कई युवा वर्षों तक तैयारी करते हैं, लेकिन बार-बार होने वाली गड़बड़ियों से उनका आत्मविश्वास कमजोर पड़ जाता है। यही कारण है कि अब यह केवल शिक्षा व्यवस्था की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि युवाओं के भविष्य, मेहनत और देश की प्रतिभा पर सीधा आघात बन चुकी है।

एनटीए द्वारा अपनाई गई जीपीएस-ट्रैकड ट्रांसपोर्टेशन, एआई-असिस्टेड सीसीटीवी निगरानी, बायोमेट्रिक सत्यापन और फाइव-जी जैमर्स जैसी व्यवस्थाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा सकती हैं, लेकिन यदि इसके बावजूद संदेह पैदा हो रहा है तो सुरक्षा तंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है। पेपर लोक और परीक्षा में गड़बड़ी रोकने के लिए केंद्र सरकार के साथ-साथ कुछ राज्यों ने भी कठोर कानून और सख्त दंड का प्रावधान किया है।

हिमाचल प्रदेश ने ‘पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) बिल’ पारित किया है, जिसमें पेपर लोक, नकल और सॉल्वर गैंग पर तीन से दस वर्ष तक की सजा तथा भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने सख्त कानून लाने की घोषणा है है तथा इसमें कठोर जेल, भारी जुमाना और संपत्ति जब्ती जैसे प्रावधानों की चर्चा हुई है। उत्तराखंड में पेपर लोक मामले के बाद राज्य में सख्त कार्रवाई, गैंगस्टर एक्ट और कठोर कानूनी कदम उठाए गए।

पेपर लोक और परीक्षाओं में गड़बड़ी पर रोक केवल कठोर कानूनों से ही नहीं लगेगी, बल्कि इसके लिए मजबूत तकनीक, पारदर्शी व्यवस्था, सख्त दंड, जवाबदेही, प्रशासनिक सुधार और सामाजिक नैतिकता का सामूहिक प्रयास भी बहुत आवश्यक है। तभी युवाओं का भरोसा कायम रहेगा और देश की वास्तविक प्रतिभा सही मायनों में आगे आ सकेगी। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

Examination शब्द की उत्पत्ति

‘Examination’ शब्द आज पढ़ाई, परीक्षा और जांच के अर्थ में पूरी दुनिया में इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन इसकी जड़ें हजारों साल पुरानी लैटिन भाषा में छिपी हैं। यह शब्द लैटिन के ‘Examinare’ से बना है। पुराने समय में ‘Examen’ का अर्थ होता था तराजू की सूई या संतुलन जांचने वाला उपकरण। जब किसी वस्तु का सही वजन पता करना होता था, तो उसे तराजू पर तौला जाता था। इसी प्रक्रिया को ‘Examinare’ कहा जाने लगा यानी किसी चीज को ध्यान से परखना या जांचना। मध्यकालीन यूरोप में जब विद्यालयों और विश्वविद्यालयों का विकास हुआ, तब छात्रों की योग्यता जांचने की प्रक्रिया को ‘Examination’ कहा जाने लगा। अंग्रेजी भाषा में यह शब्द लगभग 14वीं शताब्दी के आसपास प्रचलित हुआ। धीरे-धीरे इसका अर्थ किसी व्यक्ति के ज्ञान, क्षमता, स्वास्थ्य या तथ्यों की जांच से जुड़ गया। आज स्कूल की परीक्षा से आदि में ‘Examination’ शब्द का उपयोग होता है।

राजेश जैन
वरिष्ठ पत्रकार

कलासरूम में एआई

शिक्षक का विकल्प या सहायक

कभी ब्लैकबोर्ड शिक्षा का प्रतीक था। फिर स्मार्ट बोर्ड आए, डिजिटल कंटेंट आया, ऑनलाइन क्लासेस आई। अब शिक्षा की दुनिया एक और बड़े बदलाव के दौर में है—आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई तेजी से क्लासरूम में प्रवेश कर रहा है। स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों और एडटेक प्लेटफॉर्मों में एआई आधारित टूल्स का इस्तेमाल बढ़ रहा है। कोई इसे शिक्षा का भविष्य बता रहा है, तो कोई इसे शिक्षक की भूमिका पर संकट मान रहा है। ऐसे में सवाल केवल तकनीक का नहीं, शिक्षा की आत्मा का है—क्या एआई शिक्षक का विकल्प बन सकता है या वह केवल उसका सहायक रहेगा?

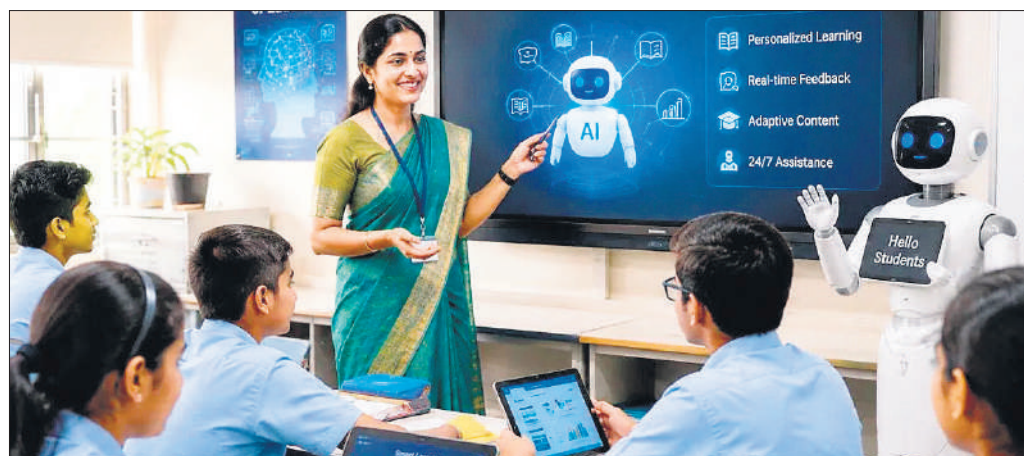
राजेश जैन
वरिष्ठ पत्रकार

शैक्षणिक ईमानदारी का संकट

एआई के बढ़ते उपयोग के साथ दूसरी बड़ी चिंता सीखने की प्रक्रिया को लेकर है। यदि छात्र हर प्रश्न का उत्तर मशीन से तुरंत पाने लगेंगे, तो क्या उनकी स्वयं सोचने और संघर्ष करने की क्षमता घटेगी? शिक्षा केवल सही उत्तर पाने की कला नहीं, बल्कि सही उत्तर तक पहुंचने की बौद्धिक यात्रा है। कठिन प्रश्नों से जुझना, गलती करना, फिर समझना—यही वास्तविक सीखना है। यदि एआई हर समस्या का तत्काल समाधान देगा, तो यह प्रक्रिया कमजोर पड़ सकती है। शैक्षणिक ईमानदारी का संकट भी सामने है। दुनियाभर के शिक्षण संस्थान इस चुनौती से जूझ रहे हैं कि छात्र असाइनमेंट, निबंध, प्रोजेक्ट और यहां तक कि शोध कार्य तक एआई से तैयार क्या रहे हैं। इससे मूल्यांकन की पारंपरिक पद्धति अप्रासंगिक होती जा रही है। आने वाले वर्षों में शिक्षा व्यवस्था को “याद करके लिखने” वाले मॉडल से हटकर “सोचकर प्रस्तुत करने” वाले मॉडल की ओर जाना ही होगा।

भारत के संदर्भ में एआई का प्रश्न

भारत के संदर्भ में एआई का प्रश्न और जटिल है। देश में लाखों छात्र अब भी बुनियादी डिजिटल संसाधनों से वंचित हैं। ऐसे में एआई आधारित शिक्षा यदि बिना तैयारी के लागू होती है, तो यह नई डिजिटल असमानता पैदा कर सकती है, जहां एक वर्ग “स्मार्ट लर्निंग” पाएगा और दूसरा अभी भी पारंपरिक कमजोर ढांचे में फंसा रहेगा। यानी एआई अवसर भी है और असमानता का जोखिम भी। एक और गंभीर चिंता है डेटा गोपनीयता की। एआई आधारित लर्निंग प्लेटफॉर्म छात्रों का शैक्षणिक व्यवहार, प्रदर्शन, आवृत्ति और मानसिक पैटर्न तक रिकॉर्ड कर रहे हैं। यह डेटा भविष्य में कैसे इस्तेमाल होगा? क्या यह केवल सीखने के लिए होगा या व्यावसायिक लाभ का साधन भी बनेगा? शिक्षा क्षेत्र में डेटा का यह केंद्रीकरण नीति-निर्माताओं के लिए नया प्रश्न है।



शिक्षा व्यवस्था के लिए निर्णायक मोड़

तमाम आशंकाओं के बीच एक बात स्पष्ट है कि एआई को रोक नहीं जा सकता। जैसे इंटरनेट और स्मार्टफोन शिक्षा का हिस्सा बने, वैसे ही एआई भी बनेगा। असली प्रश्न यह है कि क्या शिक्षा व्यवस्था इस बदलाव के लिए तैयार है? भविष्य संभवतः “एआई बनाम शिक्षक” का नहीं, बल्कि “एआई + शिक्षक” का होगा। मशीनें दोहराव वाले, विश्लेषणात्मक और डेटा-आधारित कार्य संभालेंगी, शिक्षक रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच, संवाद, मूल्य और प्रेरणा पर ध्यान देंगे। यानी शिक्षक की भूमिका समाप्त नहीं होगी—वह और अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगी, पर उसका स्वरूप बदल जाएगा। कल का सफल शिक्षक वह होगा जो केवल पढ़ाना नहीं, बल्कि तकनीक के साथ पढ़ाना जानता हो। जो एआई का उपयोग छात्रों की कमजोरी पहचानने, कंटेंट

अनुकूलित करने और कक्षा को अधिक प्रभावी बनाने में कर सके और जो यह समझे कि तकनीक सहायक है, शिक्षक का प्रतिस्थापन नहीं।

शिक्षा व्यवस्था के लिए यह एक निर्णायक मोड़ है। यदि एआई को बिना नीति, प्रशिक्षण और नैतिक ढांचे के अपनाया गया, तो यह शिक्षा को सतही, निर्जीव और असमान बना सकता है, लेकिन यदि इसे समझदारी से शिक्षक-केंद्रित मॉडल में जोड़ा गया, तो यह सीखने को अधिक व्यक्तिगत, प्रभावी और समावेशी बना सकता है। अंत में कह सकते हैं कि क्योंकि ज्ञान मशीन से सकती है, लेकिन सीखने की प्रेरणा अब भी इंसान ही देता है। बेशक, एआई क्लासरूम में आया है और रहेगा, पर वह शिक्षक की कुर्सी पर नहीं, वह शिक्षक के बगल में बैठेगा।

नोटिस बोर्ड

15 मई से होंगी परीक्षाएं



महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय के केपस में संचालित बीए, बीएससी एग्रीकल्चर, बीएमएस, बीएमएम, बीटेक, एमटेक-पीएचडी, बीफार्मा, एमफार्मा, एमसीए, एमबीए, एमए, एमएससी, एमएसडब्ल्यू, बीएड, एमएड, एलएलएम समेत विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की मुख्य एवं वैक परीक्षाएं 15 मई से शुरू होंगी। रुवि द्वारा जारी परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार एमए अर्थशास्त्र, इतिहास, मनोविज्ञान, अंग्रेजी, एमएसडब्ल्यू तथा बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं भी इसी दिन से आयोजित की जाएंगी।

एआई ने शिक्षा के पारंपरिक ढांचे को चुनौती देना शुरू कर दिया है। आज ऐसे प्लेटफॉर्म मौजूद हैं, जो छात्र की सीखने की गति, उसकी कमजोरियां और उसकी रुचि के आधार पर व्यक्तिगत अध्ययन सामग्री तैयार कर सकते हैं। किसी छात्र को गणित में कठिनाई है, तो एआई उसे अतिरिक्त अभ्यास देगा। किसी को विज्ञान के विजुअल कंटेंट से बेहतर समझ आती है, तो वही सामग्री सामने आएगी। यह शिक्षा को “एक जैसी पढ़ाई सबके लिए” वाले मॉडल से निकालकर व्यक्तिगत सीखने की दिशा में ले जा रहा है। यही कारण है कि एआई को शिक्षा का लोकतंत्रीकरण करने वाली तकनीक भी कहा जा रहा है। दूरदराज के क्षेत्रों में जहां अच्छे शिक्षकों की कमी है, वहां एआई आधारित डिजिटल ट्यूटर गुणवत्तापूर्ण सहायता दे सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र चौबीसों घंटे डाउट सॉल्विंग और प्रैक्टिस मॉड्यूल पा सकते हैं। शिक्षकों के लिए भी यह तकनीक राहत ला सकती है—कॉपी जांचना, रिपोर्ट बनाना, टेस्ट एनालिसिस करना और कमजोर छात्रों की पहचान जैसे कार्य अब मशीनें कर सकती हैं। यहीं से बहस शुरू होती है। क्या शिक्षा केवल सूचना का आदान-प्रदान है? यदि हां, तो मशीनें इसे मनुष्यों से अधिक कुशलता से कर सकती हैं, लेकिन यदि शिक्षा का अर्थ सोचने की क्षमता विकसित करना, जिज्ञासा जगाना, नैतिकता सिखाना, आत्मविश्वास भरना और जीवन की दिशा देना है, तो फिर शिक्षक की भूमिका मशीन से कहीं आगे है। शिक्षक केवल पाठ नहीं पढ़ाता, वह व्यक्तित्व गढ़ता है। वह छात्र की आंखों में छिपी उलझन पढ़ता है, उसके आत्मविश्वास में आई कमी महसूस करता है, असफलता के बाद उसे संभालता है और कभी-कभी उसके जीवन का सबसे बड़ा प्रेरक बन जाता है। एआई डेटा पढ़ सकता है, भावनाएं नहीं। वह उत्तर दे सकता है, लेकिन जीवन की दिशा नहीं दे सकता।

सेमीकंडक्टर इंजीनियरिंग

टेक्नोलॉजी की दुनिया का नया भविष्य

डॉ. अनुराग तिवारी
असिस्टेंट डायरेक्टर
बीबीसी आईटीएफ, लखनऊ

आज के दौर में ज्यादातर छात्र कंप्यूटर साइंस को सबसे सुरक्षित और लोकप्रिय करियर विकल्प मानते हैं, लेकिन टेक्नोलॉजी की दुनिया अब केवल सॉफ्टवेयर तक सीमित नहीं रही। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक व्हिकल और ऑटोमेशन जैसी तकनीकों के बढ़ते इस्तेमाल ने सेमीकंडक्टर इंजीनियरिंग को तेजी से उभरता हुआ करियर बना दिया है। आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र युवाओं के लिए शानदार अवसर लेकर आ सकता है।

क्या है सेमीकंडक्टर इंजीनियरिंग

सेमीकंडक्टर इंजीनियरिंग वह क्षेत्र है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक चिपस और माइक्रोप्रोसेसर को डिजाइन करने, विकसित करने और टेस्ट करने की तकनीक सिखाई जाती है। आज मोबाइल फोन, लैपटॉप, स्मार्ट टीवी, कार, मेडिकल उपकरण और यहां तक कि घरेलू मशीनों में भी सेमीकंडक्टर चिपस का उपयोग होता है। आसान शब्दों में कहें तो हर स्मार्ट डिवाइस की “ब्रेन” यही चिप होती है। इन्हें तैयार करने और बेहतर बनाने का काम सेमीकंडक्टर इंजीनियर करते हैं।



क्यों बढ़ रही है इस फील्ड में मांग

कोरोना काल के दौरान दुनियाभर में चिपस की कमी देखने को मिली थी। इससे यह स्पष्ट हो गया कि सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री आधुनिक तकनीक की रीढ़ है। यही कारण है कि अब कई देश इस सेक्टर में बड़े स्तर पर निवेश कर रहे हैं। भारत सरकार भी “इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन” के जरिए देश में चिप निर्माण को बढ़ावा दे रही है। इसके अलावा Intel, TSMC और Qualcomm जैसी बड़ी कंपनियां लगातार नए प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। इससे इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं।

क्या पढ़ाया जाता है बीटेक सेमीकंडक्टर इंजीनियरिंग में

इस कोर्स में छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक्स और चिप डिजाइन से जुड़ी आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जाती है। मुख्य विषयों में शामिल हैं— VLSI Design, Embedded Systems, Microelectronics, Chip Fabrication, Circuit Design

इन विषयों के माध्यम से छात्र चिप निर्माण और हार्डवेयर टेक्नोलॉजी की गहराई को समझते हैं।

करियर और सैलरी की संभावनाएं

सेमीकंडक्टर इंजीनियरिंग करने के बाद छात्र चिप डिजाइन इंजीनियर, VLSI इंजीनियर, हार्डवेयर इंजीनियर, रिसर्च साइंटिस्ट और मैन्युफैक्चरिंग एक्सपर्ट जैसे पदों पर काम कर सकते हैं। शुरुआती स्तर पर इस क्षेत्र में सालाना 6 से 12 लाख रुपये तक का पैकेज मिल सकता है। अनुभव और स्किल बढ़ने के साथ सैलरी 20 लाख रुपये या उससे अधिक तक पहुंच सकती है। विदेशों में भी इस फील्ड की मांग काफी अधिक है, जिससे ग्लोबल करियर के अवसर भी मजबूत बनते हैं।



यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

■ पद—अपरेंटिस (अपरेंटिस अधिनियम,

- 1961 के तहत)
- कुल पद—1865
- स्टाईपेंड— 15,000 रुपये (ग्रामीण/अर्ध-शहरी)। 18,000 रुपये (शहरी), 20,000 रुपये (मेट्रो) प्रति माह
- प्रशिक्षण की अवधि— एक वर्ष
- आवेदन का तरीका— केवल ऑनलाइन (BFSI SSC पोर्टल के माध्यम से)
- चयन का तरीका—ऑनलाइन परीक्षा + स्थानीय भाषा दक्षता परीक्षा
- वेबसाइट— www.unionbankofindia.co.in

नवोदय विद्यालय समिति (NVS)

क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ

- पद—PGT, TGT, लाइब्रेरियन और स्टाफ नर्स (संविदा आधारित)
- नौकरी का स्थान—उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड

जॉब अलर्ट

- कुल पद—217
- आवेदन की अंतिम तिथि—18 मई 2026
- वेबसाइट— www.nvsrolko.org

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC)

- पद—विभिन्न ग्रुप ‘A’ और ग्रुप ‘B’ राजपत्रित पद
- कुल पद— आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध
- चयन प्रक्रिया— शॉर्टलिस्टिंग (योग्यता/अनुभव/भर्ती परीक्षा के आधार पर) + साक्षात्कार
- वेबसाइट—www.upsc.gov.in और https://upsonline.nic.in

सशस्त्र सीमा बल (SSB)

- पद—कांस्टेबल (सामान्य इयूटी) – खेल कोटा के अंतर्गत
- कुल पद—404 पद
- चयन प्रक्रिया— दस्तावेज सत्यापन + खेल उपलब्धि सत्यापन + PST + फील्ड ट्रायल/कौशल परीक्षण
- वेबसाइट—www.recruitment.ssb.gov.in और https://www.ssb.gov.in

बाजार	संसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	74,608.98	23,412.60
बढ़त	49.74	33.05
प्रतिशत में	0.07	0.14

	सोना	1,65,350 प्रति 10 ग्राम
	चांदी	2,97,500 प्रति किलो

बिजनेस ब्रीफ

रिकार्ड नीचे पहुंचकर संभला रुपया 95.66

प्रति डॉलर पर हुआ बंद

मुंबई । अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया बुधवार को दिन में कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर 95.80 पर पहुंच गया। हालांकि, बाद में यह मामूली सुधार के साथ अंत में अपने रिकॉर्ड निचले स्तर के करीब 95.66 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण रुपये पर दबाव बना हुआ है।

जियो आलियांज जनरल इश्योरेंस कंपनी का गठन, 50-50 हिस्सेदारी

नई दिल्ली । जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) और जर्मनी की कंपनी आलियांज के संयुक्त उद्यम 'जियो आलियांज जनरल इश्योरेंस लिमिटेड' (जेजीआईएल) का मंगलवार को औपचारिक रूप से गठन हो गया। कंपनी को कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय से निगमन प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। जेएफएसएल और आलियांज की इस बीमा कंपनी में 50–50 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। जेएफएसएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि जियो आलियांज जनरल इश्योरेंस लिमिटेड भारत में स्वास्थ्य बीमा सहित साधारण बीमा कारोबार करेगी। हालांकि, इसके लिए नियामकीय मंजूरियां आवश्यक होंगी।

एचपीसीएल का शुद्ध लाभ 17,258 करोड़

नई दिल्ली । हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने वित्त वर्ष 2025–26 में रिकॉर्ड 17,258 करोड़ रुपये शुद्ध लाभ कमाया है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जनवरी–मार्च तिमाही में उसका एकल शुद्ध लाभ 46 प्रतिशत बढ़कर 4,901.50 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले 3,354.98 करोड़ रुपये था। रिकॉर्ड तिमाही लाभ ऐसे समय दर्ज किया गया है जबकि मार्च में कंपनी को पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस एलपीजी को लागत से कम कीमत पर बेचने से भारी नुकसान उठाना पड़ा।

एम्स्टर्डम नहीं, भारत में होगा क्रेडाई का सम्मेलन

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनियों के शीर्ष निकाय क्रेडाई ने बुधवार को अपने वार्षिक सम्मेलन का आयोजन स्थल एम्स्टर्डम से भारत स्थानांतरित करने की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पश्चिम एशिया संकट के बीच विदेशी मुद्रा बचाने के लिए ईधन के विवेकपूर्ण उपयोग, सोने की खरीद और विदेश यात्रा को स्थगित करने के आह्वान के बाद सम्मेलन स्थल में बदलाव किया है।

कपास से आयात शुल्क हटाए सरकार : एईपीसी

नई दिल्ली । परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) ने बुधवार को सरकार से कपास पर लागू 11 प्रतिशत का आयात शुल्क हटाने का आग्रह किया, क्योंकि बढ़ती लागत का असर कपड़ा उद्योग पर पड़ रहा है। एईपीसी के चेयरमैन ए. शक्तिवेल ने वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोेल, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह से मुलाक़ात की। उनके साथ परिधान उद्योग का एक प्रतिनिधिमंडल भी था, जिसने शुल्क में कटौती की मांग करते हुए झुपाने सोी।

शेयर बाजार में जारी गिरावट थमी सेंसेक्स–निफ्टी में मामूली बढ़त

मुंबई, एंजेसी

स्थानीय शेयर बाजारों में पिछले चार कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर बुधवार को विराम लगा और दोनों मानक सूचकांक लाभ में रहे। बीएसई सेंसेक्स 50 अंक चढ़ा जबकि एनएसई निफ्टी में 33 अंक की तेजी रही। निचले स्तर पर धातु, ऊर्जा और खपत से जुड़े शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आई। हालांकि, कारोबारियों के अनुसार रुपये के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और लगातार वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों की निरंतर निकासी ने लाभ को सीमित किया।

तीस शेरयों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 49.74 अंक यानी 0.07 प्रतिशत बढ़कर 74,608.98 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स

बाजार	संसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	74,608.98	23,412.60
बढ़त	49.74	33.05
प्रतिशत में	0.07	0.14

	सोना	1,65,350 प्रति 10 ग्राम
	चांदी	2,97,500 प्रति किलो

प्रधानमंत्री के आह्वान और आयात शुल्क वृद्धि से सर्राफा कारोबार धड़ाम

आभूषण कंपनियों के शेयरों में लगातार गिरावट, निर्यातकों से लेकर खुदरा बाजार में तीखी प्रतिक्रिया, कारोबारी बोले-त्यापार पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली, एंजेसी

सोने पर आयात शुल्क बढ़ने के कारण मांग घटने की आशंका के बीच बुधवार को लगातार तीसरे सत्र में आभूषण कंपनियों के शेयर पर बिकवाली का दबाव बना रहा।

बीएसई पर स्काई गोल्ड एंड डायमंड्स का शेयर 11.11 प्रतिशत, कल्याण ज्वेलर्स का शेयर छह प्रतिशत, सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स का 4.30 प्रतिशत, पीसी ज्वेलर का 3.65 प्रतिशत, त्रिभोवंदास भीमजी जवेरी का 1.74 प्रतिशत और टाइटन कंपनी का शेयर 1.64% टूटा। सरकार ने सोने और चांदी पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर बुधवार को 15% कर दिया। प्लैटिनम पर कर 6.4% से बढ़ाकर 15.4 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप सोने/चांदी के डोरे,

अनावश्यक आयात पर रोक लगाना है मकसद

सरकार के सोने पर आयात शुल्क बढ़ाकर 15% करने का उद्देश्य गैर आवश्यक आयात पर रोक लगाना और विदेशी मुद्रा के उपयोग को कच्चे तेल, उर्वरकों, औद्योगिक कच्चे माल तथा पूंजीगत वस्तुओं जैसे आवश्यक आयातों के लिए प्राथमिकता देना है जो सीधे आर्थिक गतिविधि एवं खाद्य सुरक्षा को समर्थन देते हैं।

सिक्के, अन्य वस्तुएं आदि पर भी कर में बदलाव किए गए हैं। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, 13 मई से सामाजिक कल्याण अधिभार और कृषि अवसरंचना एवं विकास उपकर में वृद्धि की गई है। प्रधानमंत्री के विदेशी मुद्रा बचाने को सोने की खरीद एवं विदेश यात्रा को स्थगित करने के आह्वान के बाद यह अधिसूचना जारी हुई है।



दुबई से सोने का आयात बढ़ेगा : जीटीआरआई
नई दिल्ली, एंजेसी । आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा है कि सोने पर आयात शुल्क 15 प्रतिशत किए जाने से दुबई के रास्ते सोने और चांदी का आयात बढ़ सकता है। भारत–यूईई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीडीपीए) के तहत यूईई से आने वाले सोने पर सामान्य एमएफएन दर से एक प्रतिशत कम शुल्क लगता है। ऐसे में नया प्रभावी शुल्क 14 प्रतिशत रहेगा, जिससे दुबई वैश्विक सर्राफा व्यापार का प्रमुख मार्ग बन सकता है। भारत ने शुल्क दर कोटा (टीआरयू) प्रणाली के तहत दुबई से सोने के आयात को सामान्य सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र (एमएफएन) दर से एक प्रतिशत कम शुल्क पर अनुमति दी थी। यह कोटा 2022 में 120 टन वार्षिक से शुरू हुआ था और 2027 तक बढ़कर 200 टन होने वाला है, जो भारत के कुल वार्षिक सोना आयात का लगभग एक–दोथाई है।

सरकार ने धान का एमएसपी 72 रुपये बढ़ाया

सूरजमुखी बीज में 622 रुपये की वृद्धि

आयात पर निर्भरता घटाने और फसल विविधीकरण बढ़ाने को एमएसपी में की गयी अपेक्षाकृत अधिक वृद्धि

नई दिल्ली, एंजेसी

केंद्र सरकार ने बुधवार को खरीफ विपणन सत्र 2026-27 के लिए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 72 रुपये बढ़ाकर 2,441 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। साथ ही सरकार ने दलहन, तिलहन और कपास के एमएसपी में भी बढ़ोतरी का फैसला किया। आयात पर निर्भरता घटाने और फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए इन फसलों के एमएसपी में अपेक्षाकृत अधिक वृद्धि की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में बुवाई शुरू होने से पहले 14 खरीफ फसलों के एमएसपी को मंजूरी दी गई। खरीफ फसलों की बुवाई आमतौर पर जून में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन के साथ शुरू होती है। इस फैसले के तहत, खरीफ सत्र के धान की सामान्य और ए-ग्रेड किस्मों का एमएसपी क्रमशः 2,441 रुपये और 2,461 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है।



नई दिल्ली में बुधवार को कैबिनेट निर्णयों पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ।

- दलहन, तिलहन और कपास के एमएसपी में भी बढ़ोतरी**
- वार्षिक खरीद 824.41 लाख टन होने का अनुमान**

कपास के एमएसपी में भी सरकार ने अच्छी बढ़ोतरी की है। मध्यम लंबाई के रेशों वाली मीडियम स्टेपल कपास का एमएसपी 557 रुपये बढ़ाकर 8,267 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जबकि लंबे और बेहतर गुणवत्ता वाले रेशों वाली लॉन्ग स्टेपल कपास का एमएसपी 8,667 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। यह सभी फसलों में दूसरी सबसे बड़ी बढ़ोतरी है।

सर्वाधिक मूल्य वृद्धि सूरजमुखी बीज के एमएसपी में 622 रुपये प्रति क्विंटल की हुई है, जिससे इसका एमएसपी बढ़कर 8,343 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है। इसके अलावा रामतिल (नाइजरसीड) का एमएसपी 515 रुपये बढ़ाकर 10,052 रुपये और तिल का 500 रुपये बढ़ाकर 10,346 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। अन्य तिलहनों में सोयाबीन

यूपी में ईवी फैमिली स्कूटर की मांग बढ़ी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : इलेक्ट्रिक दोपहिया निर्माता एथर वनजी ने वित्त वर्ष 2025-26 में उत्तर प्रदेश में 163 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। वाहन डेटा के अनुसार कंपनी की बिक्री 3,624 यूनिट से बढ़कर 9,541 यूनिट पहुंच गई। इस बढ़ोतरी में फैमिली स्कूटर रिज्टा की अहम भूमिका रही।

कंपनी के अनुसार लॉन्च के दो



बिजनेस मीट में जानकारी देते कंपनी के बिजनेस ऑफिसर रवनीत सिंह फोकेला ।

वर्षों के भीतर देशभर में रिज्टा की 3

लाख यूनिट बिक चुकी है। गत वित्त वर्ष में एथर की कुल बिक्री में रिज्टा की हिस्सेदारी 76 प्रतिशत रही। निजी होटल में संपन्न बिजनेस मीट के दौरान कंपनी के चीफ बिजनेस ऑफिसर रवनीत सिंह फोकेला ने कहा कि उत्तर प्रदेश कंपनी के लिए महत्वपूर्ण बाजार बनकर उभरा है। कंपनी ने राज्य में अपने आउटलेट 14 से बढ़ाकर 30 शहरों में 36 कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही नया मॉडल भी पेश किया जाएगा।

सरकार को इस साल रिकॉर्ड लाभांश दे सकता है रिजर्व बैंक

नई दिल्ली, एंजेसी । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के इस वर्ष सरकार को अब तक का सबसे अधिक लाभांश दिए जाने की संभावना है। इससे केंद्र को पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए वित्तीय मदद मिल सकेगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। आरबीआई ने 2024-25 के लिए केंद्र सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड लाभांश दिया था जो इससे पिछले वर्ष 2023-24 के 2.11 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 27 प्रतिशत अधिक था। बजट दस्तावेजों के अनुसार, केंद्र को 2026-27 में आरबीआई, राष्ट्रीयकृत बैंकों और वित्तीय संस्थानों से लाभांश और अधिशेष के रूप में 3.16 लाख करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है जो चालू वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 3.75 प्रतिशत अधिक है।

भविष्य निधि से पैसा निकालना जल्द होगा स्वचालित: ईपीएफओ

नई दिल्ली, एंजेसी । केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त रमेश कृष्णमूर्ति ने बुधवार को कहा कि ईपीएफओ जल्द ही अंतिम भविष्य निधि निकासी दावों के निपटान की प्रक्रिया को स्वचालित करेगा। इससे आवेदक के बैंक खातों में पैसे के अंतरण में तेजी आएगी। केंद्रीय भविष्य निधि संगठन के सात करोड़ से अधिक अंशधारक हैं। वर्तमान में, पांच लाख रुपये तक की आंशिक या अंश्रिम निकासी दावों का निपटान स्वचालित रूप से किया जाता है।

भविष्य निधि से पैसा निकालना जल्द होगा स्वचालित: ईपीएफओ

नई दिल्ली, एंजेसी । केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त रमेश कृष्णमूर्ति ने बुधवार को कहा कि ईपीएफओ जल्द ही अंतिम भविष्य निधि निकासी दावों के निपटान की प्रक्रिया को स्वचालित करेगा। इससे आवेदक के बैंक खातों में पैसे के अंतरण में तेजी आएगी। केंद्रीय भविष्य निधि संगठन के सात करोड़ से अधिक अंशधारक हैं। वर्तमान में, पांच लाख रुपये तक की आंशिक या अंश्रिम निकासी दावों का निपटान स्वचालित रूप से किया जाता है।

सहयोग देगा । कार्यक्रम में आईएफएक्स-2026 अभियान भी लॉन्च किया गया। आईआईएफ के लोगो, ब्रोशर, वेबसाइट और डिजिटल

आभूषणों के दाम बढ़ने से कम कैरेट के गहनों को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली, एंजेसी । सरकार के सोने–चांदी के आयात पर शुल्क बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने और पांच प्रतिशत कृषि उपकर लगाने पर उद्योग जगत ने प्रतिक्रिया दी है। उद्योग जगत का कहना है कि यह कम कैरेट के सोने के गहनों को बढ़ावा देने का अवसर है। इससे सोने की खपत भी कम होगी और गहनों के ज्यादा बेहतर डिजाइन उपलब्ध हो सकेंगे। साथ ही उसने लोगों से घरों में पड़े पुराने गहनों के पुनर्चक्रण की भी अपील की है।

जानी–मानी ज्वेलरी डिजाइनर और उद्यमी हेतल वकील वालिया का कहना है कि आयात शुल्क में इस वृद्धि के बाद सोने की कीमतों के साथ ही आभूषणों की खुदरा कीमतों में लगभग छह से आठ प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। इससे आने वाली तिमाहियों में कुल मांग में 10–15 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है। उपभोक्ता धीरे–धीरे हल्के वजन वाले आभूषण, कम कैरेट वाले उत्पाद, चांदी के आभूषण और एक्सचेंज आधारित खरीदारी की ओर रुख कर सकते हैं।

श्रीमती वालिया ने बताया कि रिटेलर्स और चैन शोरूम मालिकों पर इन्वेट्री बदलने की लागत का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा और उनका मुनाफा प्रभावित होगा। यदि मांग कमजोर बनी रहती है, तो इसका प्रभाव कारीगरों, सुनारों और ज्वेलरी डिजाइनरों पर भी पड़ सकता है, क्योंकि ऑर्डर की मात्रा और कॉन्ट्रैक्ट वर्क में कमी आ सकती है, विशेष रूप से प्रमुख विनिर्माण केंद्रों में।

एनएचआरसी ने की प्रवासी श्रमिकों की आवाजाही पर नजर रखने को राष्ट्रीय डैशबोर्ड बनाने की सिफारिश

नई दिल्ली, एंजेसी

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की एक कोर समिति ने प्रवासी श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए कई महत्वपूर्ण सिफारिशें की हैं। इसके तहत इन श्रमिकों की जिलावार आवाजाही पर नजर रखने के लिए एक ‘राष्ट्रीय डैशबोर्ड’ स्थापित करने का सुझाव दिया गया है।

इसके अलावा, वेतन में हेरफेर रोकने और पारदर्शिता में सुधार के लिए ‘पेरोल रिकॉर्ड’ से जुड़ी डिजिटल वेतन भुगतान प्रणालियों को बढ़ावा देने की भी सिफारिश की गई है। इस संबंध में आयोग ने यहां अपने परिसर में ‘प्रवासी श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा: सरकार और

निजी क्षेत्र की साझा जिम्मेदारी’ विषय पर अपने कोर समूह की एक बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता एनएचआरसी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) वी रामासुब्रमणियन ने की। उन्होंने प्रवासी श्रमिकों के लिए केवल अनुपालन–आधारित दृष्टिकोण से अधिकार–आधारित संस्कृति की जरूरत पर जोर दिया। अंतरराज्यीय समन्वय, सुगम्य सामाजिक सुरक्षा और श्रम कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन जैसी व्यवस्था संबंधी सुधारों पर भी बल दिया।

सुझाव दिया कि प्रवासी श्रमिकों के लिए बेहतर व्यवस्था बनाने के लिए भाषाई पहचान आधारित संगठनों के सदस्यों को समन्वय परिषदों में शामिल किया जाए।

बॉन्ड बाजार के लिए वितरकों की नई श्रेणी शुरु करने पर विचार कर रहा सेबी

मुंबई, एंजेसी । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) बॉन्ड बाजार को विस्तार देने और खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए वितरकों की एक नई श्रेणी शुरु करने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अमरजीत सिंह ने बुधवार को कहा कि इस प्रस्ताव का उद्देश्य बॉन्ड यानी डेट उत्पादों की पहुंच को बढ़ाना है। म्यूचुअल फंड क्षेत्र की तरह ऐसे वितरकों की जरूरत है, जो खुदरा निवेशकों के लिए निवेश प्रक्रिया को सरल बना सके, जिसमें ‘केवाईसी’ प्राधान्य, दस्तावेजीकरण और लेनदेन की शुरुआत शामिल है। सिंह ने उद्योग संगठन फिक्की के एक कार्यक्रम में कहा कि वितरण प्रणाली यह तय करती है कि वित्त कुछ हाथों में ही सिमटा रहेगा या व्यापक आर्थिक भागीदारी का माध्यम बनेगा।



बजाज ग्रुप के 100 साल पूरे, पीएम मोदी ने सराहा योगदान

कारोबार डेरस्क, मुबई

बजाज ग्रुप ने मंगलवार को अपने 100 वर्ष पूरे होने पर शताब्दी समारोह आयोजित किया। 148 अरब डॉलर के मार्केट कैप वाला यह समूह आज ऑटोमोबाइल, वित्तीय सेवाओं, उपभोक्ता इलेक्ट्रिकल और इंजीनियरिंग क्षेत्रों के जरिए देश के हर तीन में से एक घर तक पहुंच रखता है। समूह की स्थापना 1926 में स्वतंत्रता सेनानी, उद्योगपति और समाजसेवी जमना



लाल बजाज ने मुंबई में की थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बजाज परिवार को भेजे संदेश में समूह की राष्ट्र निर्माण, रोजगार सृजन

नवाचार और सामुदायिक विकास में भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि वિકसित भारत-2047 के लक्ष्य में बजाज जैसे संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मुंबई में आयोजित समारोह में उद्योग जगत, राजनीति और मनोरंजन क्षेत्र की हस्तियां शामिल हुईं। चेयरमैन नीरज बजाज, एमडी राजीव बजाज और संजीव बजाज ने आत्मनिर्भर भारत, वैश्विक विस्तार, तकनीक और वित्तीय समावेशन को अगले 100 वर्षों की दिशा बताया।

एमएसएमई, निवेश और फूड प्रोसेसिंग को वैश्विक पहचान दिलाने की बड़ी पहल

फूड एक्सपो सितंबर में, 700 करोड़ के कारोबार की उम्मीद



लखनऊ में विभूति खंड स्थित आईआईए भवन में इंडिया फूड एक्सपो की जानकारी देते पदाधिकारी ।

आयोजन समिति घोषित

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अवधेश अग्रवाल ने एक्सपो–2026 की आयोजन समिति की घोषणा की। इसमें विकास खन्ना को चेयरमैन और बतौर डिप्टी चेयरमैन वैभव अग्रवाल व विभू गुप्ता नामित किए गए। डॉ. पूर्व चेयरमैन वेतन देव भल्ला एवं आईआईए के उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश हवेलिया को सलाहकार नियुक्त किया गया है। समिति में अनिल गुप्ता, मनीष गोयल, के.के अग्रवाल, राजीव बंसल, अतंकेश सोती, राजेश तिवारी, राजीव जैन, अदनान दानिष एवं आईवाईसी कैप्टन डिविर शामिल है।

20 करोड़ उपभोक्ताओं तक पहुंचने का अवसर
कार्यक्रम में बागवानी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने ऑनलाइन संबोधन में प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। आयोजकों ने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसे विशाल बाजार में यह एक्सपो निवेश, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और निर्यात के नए अवसर हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। वहीं इन्वेस्ट यूपी के एजीएम डेवेटमेंट प्रमोशन ने कहा कि निवेशकों और उद्यमियों को परियोजना स्थापना तक हर स्तर पर सहायता दी जाएगी।

किया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त की।



वैभव सूर्यवंशी में एक बेहतरीन प्रतिभा है। उसके हाथ बहुत तेज चलते हैं। वह बिल्कुल निडर बल्लेबाजी कर रहा है। उसके शरीर में डर का एक अंश भी नहीं है। वह निश्चित रूप से ऐसा खिलाड़ी जो लोगों का ध्यान खेल की तरफ खींचता है।
-कागिसो रबाडा

IPL 2026

आज का मुकाबला

पंजाब किंग्स

बनाम

मुंबई इंडियंस

समय - शाम 7:30 बजे

हाईलाइट

एरोनिमिक गोल्फ क्लब में पीजीए चैंपियनशिप गोल्फ टूर्नामेंट के प्रेविएटस राउंड के दौरान सातवें ग्रीन बंकर से हिट करते गैरी वुडलैंड।

एर्जेसी

टेस्ट रैंकिंग में बुमराह शीर्ष पर बरकरार

दुबई। भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह ने बुधवार को जारी आईसीसी की नवीनतम टेस्ट रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल बल्लेबाजों की सूची में क्रमशः आठवें और नौवें स्थान पर हैं जबकि इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट कप्तान जो रूट 880 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। जायसवाल के 750 अंक हैं। गिल को एक स्थान का फायदा हुआ है और उनके 730 अंक हैं। हैरी ब्रूक इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं जबकि उनके बाद ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और अटीव रिस्रथ का नंबर आता है। भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत 2026 में अब तक एक भी मैच नहीं खेला है।

विराट कोहली के नाबाद शतक से आरसीबी ने केकेआर को हराया

आईपीएल-2026 : बारिश के कारण देर से शुरू हुआ मैच, तालिका में फिर शीर्ष स्थान हासिल किया

रायपुर, एर्जेसी

विराट कोहली (नाबाद 105) की दमदार शतकीय पारी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने बुधवार को बारिश के कारण 75 मिनट देर से शुरू हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 57वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स पर पांच गेंदें शेष रहते छह विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही आरसीबी फिर से अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है।

193 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी के लिए जेकब बेथेल और विराट कोहली की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 37 रन जोड़े। चौथे ओवर में कार्तिक त्यागी ने जेकब बेथेल (15) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये देवदत्त पडिक्कल ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट लिए 92 रन जोड़कर अपनी टीम को जीत की राह दिखाई। 14वें ओवर में कार्तिक ने पडिक्कल को आउट कर पवेलियन भेज दिया। पडिक्कल ने 27 गेंदों में सात चौके लगाते हुए 39 रन बनाये। 16वें ओवर में सुनील नारायण ने कप्तान रजत पाटीदार (11) का शिकार कर लिया। 18वें ओवर की पांचवी गेंद पर कार्तिक त्यागी ने (दो) को मनीष पांडे के हाथों कैच आउट कराकर अपना तीसर विकेट लिया।

19वें ओवर में विराट कोहली ने अपना नौवां आईपीएल शतक

105*

60 गेंद

11 चौके

3 छक्के

शानदार पारी के दौरान शॉट लगाते विराट कोहली।

एर्जेसी

जड़ा। उन्होंने 58 गेंदों में 10 चौके और तीन छक्के लगाते हुए अपना शतक पूरा किया। यह केकेआर के खिलाफ उनका दूसरा शतक है। इस दौरान कोहली ने टी-20 में 409 पारियों में सबसे तेज 14 हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये। उन्होंने क्रिस गेल के 423 पारियों के रिकार्ड को तोड़ा। आरसीबी ने 19.1 ओवर में 194 रन बनाकर

मुकाबला छह विकेट से अपने नाम कर लिया। विराट कोहली ने 60 गेंदों में 11 चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 105 रनों की मैच विजयी पारी खेली।

इससे पहले आज यहां अंगकृष रघुवंशी (71), रिकू सिंह (नाबाद 49) और कैमरन ग्रीन (32) की शानदार पारियों के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स

कोलकाता नाइट राइडर्स

192/4 (20 ओवर)

■ अजिंक्य रहाणे का पंच वो हेजलवुड

19

■ फिन एलन को जितेश बो भुवनेश्वर

18

■ अंगकृष रघुवंशी रन आउट

71

■ कैमरन ग्रीन बो रसिख सलाम

32

■ रिकू सिंह नाबाद

49

अतिरिक्त : 03, विकेट पतन : 1-23, 2- 48, 3-116, 4-192, गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-34-1, डूषी 4-0-48-0, हेजलवुड 4-0-35-1, सलाम 4-0-35-1, कृणाल 4-0-39-0

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

194/4 (19.1 ओवर)

■ जैकब बेथेल का एवं बो त्यागी

15

■ विराट कोहली नाबाद

105

■ देवदत्त पडिक्कल का रहाणे बो त्यागी

39

■ पाटीदार का रहाणे बो नारायण

11

■ टिम डेविड का पांडे बो त्यागी

02

■ जितेश शर्मा नाबाद

08

अतिरिक्त : 14, विकेट पतन : 1-37, 2- 129, 3-157, 4- 180, गेंदबाजी : सोरभ दूबे 2.1-0-21-0, वैभव अरोड़ा 4-0-48-0, कार्तिक त्यागी 4-0-32-3, सुनील नारायण 4-0-31-1, कैमरन ग्रीन 2-0-22-0, अनुकूल रॉय 3-0-36-0

कैच छोड़ना भारी पड़ा : अजिंक्य रहाणे

केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा हमने सोचा कि इस विकेट पर 190 रन एक चुनौतीपूर्ण स्कोर था। इस तरह का स्कोर जब आप डिफेंड कर रहे होते हैं तो फिर कोहली का वो कैच पकड़ना जरूरी था।

अंक तालिका						
टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	12	8	4	0	16	1.053
2. गुजरात टाइटंस	12	8	4	0	16	0.551
3. सनराइजर्स हैदराबाद	12	7	5	0	14	0.331
4. पंजाब किंग्स	11	6	4	1	13	0.428
5. चेन्नई सुपर किंग्स	11	6	5	0	12	0.185
6. राजस्थान रॉयल्स	11	6	5	0	12	0.082
7. दिल्ली कैपिटल्स	12	5	7	0	10	-0.993
8. कोलकाता नाइट राइडर्स	11	4	6	1	9	-0.198
9. मुंबई इंडियंस	11	3	8	0	6	-0.585
10. लखनऊ सुपर जाइंट्स	11	3	8	0	6	-0.907

ऑरेंज कैप

● हेनरिक व्लासेन
हैदराबाद - 508 रन

● साई सुदर्शन
गुजरात - 501 रन

● अभिषेक शर्मा
हैदराबाद - 481 रन

पर्पल कैप

● भुवनेश्वर कुमार
बेंगलुरु - 22 विकेट

● कागिसो रबाडा
गुजरात - 21 विकेट

● अशुल कंबोज
चेन्नई - 19 विकेट

● सुनशरीर जर्सी

मुंबई के खिलाफ अपना अभियान पटरी पर लाने की कोशिश करेगा पंजाब

धर्मशाला, एर्जेसी। पिछले चार मैच में हार से आहत पंजाब किंग्स को अगर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना अभियान वापस पटरी पर लाना है तो मुंबई इंडियंस के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले मैच में उसे अपनी गेंदबाजी और फील्डिंग में जल्द से जल्द सुधार करना होगा। टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में शानदार प्रदर्शन करने वाली पंजाब किंग्स की टीम लगातार चार मैच हार चुकी है और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संशर्ष कर रही है। उसकी टीम को अगर शीर्ष चार में जगह पकड़ी करनी है तो उसे अपने शेष बचे मैचों में से कम से कम दो मैच जीतने होंगे। पंजाब कुछ समय पहले तक टूर्नामेंट में एकमात्र अजेय टीम थी, लेकिन इस प्रारूप और आईपीएल की प्रकृति ही ऐसी है कि भाग्य बहुत जल्दी किसी भी तरफ पलट सकता है। जैसा कि कप्तान श्रेयस अय्यर ने दिल्ली कैपिटल्स से मिली हार के बाद कहा, पंजाब किंग्स

मुकाबला आज

की इस मुश्किल स्थिति के लिए वे खुद ही जिम्मेदार हैं। टूर्नामेंट के पहले भाग में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से गेंदबाजी विभाग की कमजोरियां सामने नहीं आई लेकिन अब उसके लिए यह चिंता का विषय बन गया है। दिल्ली के खिलाफ मैच में अय्यर और उनकी टीम जीत के करीब पहुंच गई थी पर आखिरी पांच ओवरों में तेज गेंदबाजों ने अपनी लेथ सही नहीं रखी। अश्वीन सिंह की अगुवाई वाले तेज गेंदबाजी आक्रमण का इकॉनॉमी रेट 10 टीमां में सबसे खराब है। आईपीएल के पहले हाफ में जेविअर बार्टलेट और अश्वीन ने नई गेंद से अच्छा संयोजन प्रदान किया, पर लॉकी फर्नान्डो की वापसी के बाद इसमें अस्थिरता देखने को मिली है। पंजाब ने पिछले मैच में बाएं हाथ के तीन तेज गेंदबाजों को उतारा, जिनमें बेन ड्यूवार्थिस भी शामिल थे, जो काफी महंगे साबित हुए।

रोनाल्डो के पास विश्व कप विजेता बनने का आखिरी मौका

41 वर्ष के हो चुके हैं पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर

226 मैचों में टोक चुके हैं विश्व रिकॉर्ड 143 गोल

रोनाल्डो इस तरह से अर्जेंटीना के अपने प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेस्सी के साथ छह विश्व कप में खेलने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन सकते हैं।

रोनाल्डो ने नवंबर में सीएफएन को बताया था कि यह विश्व कप ‘निश्चित रूप’ से उनका आखिरी विश्व कप होगा। पुर्तगाल को विश्व कप में ग्रुप के में रखा गया है जहां उसका सामना कोलंबिया, उज्बेकिस्तान और कांगो से होगा। इसे देखते हुए पुर्तगाल का अगले दौर में पहुंचना लगभग निश्चित लग रहा है। पुर्तगाल विश्व रैंकिंग में भले ही पांचवें स्थान पर काबिज हो, लेकिन पिछले साल नवंबर में क्वालीफाईंग में आयरलैंड के हाथों 2-0 की हार ने टीम को करारा झटका दिया था। यह हार इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि रोनाल्डो को एक डिफेंडर को कोहनी मारने के लिए लाल कार्ड दिखाया गया था। रोनाल्डो को दो मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ा। पुर्तगाल ने वापसी करते हुए आर्मेनिया को 9-1 से हराकर विश्व कप में अपनी जगह पक्की की।

लीग में सबसे अधिक कमाने वाले हैं मेसी

लंदन। स्टार फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी इंटर मियामी के साथ नए अनुबंध के तहत मेजर लीग सोकर में सबसे अधिक कमाई करने वाले खिलाड़ी बने हुए हैं।

एमएलएस प्लेयर्स एसोसिएशन के ताजा आंकड़े उस अनुबंध के विस्तार को दिखाते हैं जिस पर मेसी ने अक्टूबर में इंटर मियामी के साथ हस्ताक्षर किए था। नए अनुबंध के तहत उन्हें 28.33 मिलियन डॉलर (करीब 267 करोड़ रुपये) की रकम मिलेगी। जो नॉर्थ अमेरिकन लीग के अगले सबसे अधिक कमाने वाले खिलाड़ी से दोगुने से भी अधिक है। एफएफसी के सोन ह्युंग-मिन दूसरे सबसे ज्यादा कमाने वाले खिलाड़ी हैं। मेसी 2023 में फ्लोरिडा फ्रैंकाइजी में शामिल हुए और उन्होंने 64 रेगुलर-सीजन एमएलएस गेम्स में 59 गोल किए हैं, जिससे मियामी को 2025 में एमएलएस कप जीतने में मदद मिली। उन्होंने पिछले सीजन में 29 गोल के साथ लीग को लीड किया व अब तक खेले गए दो पूरे एमएलएस सीजन-2024 व 2025-में मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर रहे हैं।

हरियाणा के नाम रहा नंदिनी नगर दंगल

नवाबगंज (गोंडा)

अमृत विचार। नंदिनी नगर स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित ओपन सीनियर नेशनल रैंकिंग कुश्ती प्रतियोगिता का मंगलवार देर शाम को पदक अलंकरण समारोह के साथ समापन हो गया। देशभर से पहुंचे पहलवानों के बीच हुए रोमांचक मुकाबलों में हरियाणा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता पर अपना दबदबा कायम रखा।

फ्री-स्टाइल, ग्रीकोरोमन और महिला कुश्ती को मिलाकर हरियाणा ने 22 स्वर्ण पदक और कुल 700 अंक अर्जित कर प्रतियोगिता का ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। प्रतियोगिता में 28 राज्यों के लगभग 1400 पहलवानों ने हिस्सा लिया। तीन दिनों तक चले मुकाबलों में दर्शकों को कई रोमांचक और कांटे की टक्कर वाले दंगल देखने को मिले। समापन अवसर पर महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले आयोजित किए गए, जिसके बाद विजेता खिलाड़ियों को पदक और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

● सीनियर नेशनल रैंकिंग कुश्ती प्रतियोगिता का समापन

निशा ने अपने वजन वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। नैना (हरियाणा) रजत पदक पर रहीं। निशका (दिल्ली) और खुशी (हरियाणा) ने कांस्य पदक हासिल किया। 57 किग्रा वर्ग में रीना (हरियाणा) ने शानदार दांव-पेंच का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उत्तर प्रदेश की काजल चौधरी को रजत पदक मिला। शिवानी और हंसिका लांबा (दोनों हरियाणा) ने कांस्य पदक जीते। 59 किग्रा वर्ग में सितो (हरियाणा) ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि सिमरन (हरियाणा) को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। खुशी चौधरी (उत्तर प्रदेश) और पूजा गहलोत (हरियाणा) कांस्य पदक विजेता रहीं। 62 किग्रा वर्ग में महाराष्ट्र की वैष्णवी दिलीप पाटिल ने स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा की अंजली को रजत पदक मिला। सारिका (हरियाणा) और प्रगति विनोद गायकवाड़ (महाराष्ट्र) ने कांस्य पदक हासिल किया। 65 किग्रा वर्ग में चंडीगढ़ की अंजली ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

मंडल के साथ महिला पहलवान।

अमृत विचार

महिला वर्ग में उग्र ने दूसरा स्थान हासिल किया

महिला वर्ग में भी हरियाणा की पहलवानों का दबदबा पूरी तरह कायम रहा। हरियाणा की महिला टीम ने 6 स्वर्ण, 8 रजत और 14 कांस्य पदक जीतकर पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं मेजबान उत्तर प्रदेश की टीम ने 1 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक जीतकर दूसरा स्थान हासिल किया। दिल्ली, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों की पहलवानों ने भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए।

50 किग्रा वर्ग में हरियाणा की अंकुश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। रचना (हरियाणा) को रजत पदक मिला, जबकि परवीन (हरियाणा) और इशिका (दिल्ली) ने कांस्य पदक जीते। 53 किग्रा वर्ग में

निशु (हरियाणा) ने फाइनल मुकाबले में जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक हासिल किया। हिमांशी (हरियाणा) को रजत पदक मिला। तन्नु (हरियाणा) और तानिया (दिल्ली) कांस्य पदक विजेता रहीं। 55 किग्रा वर्ग में हरियाणा की

नाराजगी

अनुबंध नहीं बढ़ाने पर भड़के रॉष्ट्रीय हॉकी जूनियर टीम के कोच, विदेशी कोचों को तरजीह पर उठाये सवाल

अच्छे प्रदर्शन के बावजूद मुझे हटाया गया : पीआर श्रीजेश

नई दिल्ली, एर्जेसी

भारत के महान गोलकीपर और जूनियर टीम के मुख्य कोच रहे पी आर श्रीजेश ने विदेशी कोचों को तरजीह देने के लिए महज 17 महीने बाद पद से हटाने को लेकर हॉकी इंडिया पर सार्वजनिक तौर पर भड़सा निकाली है। हालांकि हॉकी इंडिया ने उनके आरोप को खारिज किया। सोशल मीडिया पर मंगलवार को एक तलख पोस्ट में दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता श्रीजेश ने लिखा कि अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें फिर कोच नहीं बनाया गया क्योंकि हॉकी इंडिया जूनियर स्तर पर भी विदेशी कोच चाहता है।

श्रीजेश ने 'एक्स' पर लिखा लगाता है कि मेरा कोचिंग कैरियर डेड साल के बाद ही खत्म हो गया है

एक मैच के दौरान सलाह देते पीआर श्रीजेश।

फाइल फोटो

जिसमें हमने पांच टूर्नामेंट खेले और जूनियर विश्व कप समेत पांच बार पांडियम पर रहे। उन्होंने कहा मैंने सुना है कि खराब प्रदर्शन के बाद कोचों को हटाया जाता है लेकिन पहली बार विदेशी कोच की नियुक्ति के लिये मुझे हटाया जा रहा है।

हॉकी इंडिया की ओर से जारी बयान में टिकी ने कहा पी आर

श्रीजेश का कोचिंग कार्यकाल दिसंबर 2025 में खत्म हो गया था। इसके बाद प्रोटोकॉल का पालन करके पद के लिये विज्ञापन दिया गया और कुछ नाम चुने गए। उचित चयन प्रक्रिया का पालन करके चयन किया गया है। इसमें कहा गया प्रक्रिया के बाद एक योग्य कोच का चयन किया गया है

लगाया ये आरोप

टोक्यो ओलंपिक 2020 और पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत को कांस्य पदक दिलाने में सूत्रधार रहे श्रीजेश ने कहा हॉकी इंडिया अध्यक्ष का कहना है कि सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच, जूनियर स्तर पर भी विदेशी कोच चाहते हैं क्योंकि उनका मानना ​​है कि इससे जूनियर स्तर से सीनियर स्तर पर भारतीय हॉकी के विकास में मदद मिलेगी।

जिसके नाम की घोषणा जल्दी ही की जायेगी। टिकी ने कहा हमने श्रीजेश को हटाया नहीं है बल्कि उन्हें डेवलपमेंट टीम (भारत ए) का कोच बनने की पेशकश की गई थी। उन्होंने इसे ठुकरा दिया और फैसले पर पुनर्विचार करने के अनुरोध पर भी नहीं माने। एक सूत्र ने बताया कि श्रीजेश को सीनियर पुरुष टीम का

कार्यकाल 2025 में ही खत्म हो गया : टिकी

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिकी ने पी आर श्रीजेश के आरोपों का जवाब देते हुए कहा है कि उन्हें पद से हटाया नहीं गया है बल्कि उनका कार्यकाल दिसंबर 2025 में ही खत्म हो गया था और उचित चयन प्रक्रिया का पालन करके मेरिट के आधार पर नया कोच चुना गया है।

गोलकीपिंग कोच बनाने की पेशकश भी हुई थी। श्रीजेश का कार्यकाल दिसंबर 2025 में खत्म हो गया था और उन्होंने इस पद के लिए पुनः आवेदन किया था। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच दक्षिण अफ्रीका के ब्रेग फुल्टोन हैं जबकि महिला टीम के कोच नीदरलैंड के शोर्ड मारिन हैं।

बैंकॉक, एर्जेसी

स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन और किदाम्बी श्रीकांत थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में बुधवार को सीधे गेम में जीत दर्ज करके दूसरे दौर में पहुंच गए जबकि इस पांच लाख डॉलर इनामी टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों के लिए दिन मिश्रित सफलता वाला रहा।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने चीनी ताइपे की तुंग सियू तोंग को 21-9 21-12 से हराया जबकि सातवें वरीय और ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के दो बार के फाइनलिस्ट लक्ष्य ने सिंगापुर के जिया हेंग जेसन को 21-16 21-17 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने सिंगापुर के

थाईलैंड ओपन

आठवीं वरीयता प्राप्त लो कीन यू को 21-14, 21-15 से हराकर उलटफेर किया। श्रीकांत का सामना प्री क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के सू लि यांग से होगा, सिंधु डेनमार्क की अमेली शूल्ज से खेलेंगी।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता थॉमस कप के दौरान लगी चोट के बाद वापसी कर रहे हैं। वह चीनी ताइपे के वांग

पो वेई और चीन के झू शुआन चैन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे।

इस साल थाईलैंड मास्टर के रूप में अपना पहला सुपर 300 खिताब जीतने वाली देविका सिहाग ने कड़े मुकाबले में दुनिया की 26वें नंबर की खिलाड़ी जापान की नात्सुकी निदाइरा को एक घंटे 11 मिनट में 21-19 13-21 21-15 से शिकस्त दी। एक अन्य मैच में मालविका बंसोड़ ने कनाडा की वेन यू झेंग को 13-21 26-24 21-13 से हराया लेकिन तन्वी शर्मा को जापान की हीना अकेची के खिलाफ 17-21 8-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। आयुष शेड्डी को जापान के छठी वरीयता प्राप्त कोडाइ नराओका के खिलाफ 13-21, 21-17, 4-21 से पराजय झेलनी पड़ी।